



एजेसी ►► नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का काम चल रहा है तो तुणमूल कांग्रेस, भाजपा समेत अन्य राजनीतिक दल सियासी गणित में जुटे हैं। आयोग के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 480 कंपनियां तैनात की जाएंगी। बताया कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में शुरुआत में 1 मार्च से क्षेत्र पर नियंत्रण, विश्वास निर्माण उपायों और अन्य चुनाव संबंधी कर्तव्यों के लिए ये तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि सशस्त्र पुलिस बलों की कंपनियां चुनाव प्रक्रिया के दौरान स्ट्रांग रूम्स में ईवीएम और मतगणना केंद्रों की सुरक्षा भी करेंगी।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर पर चुनाव आयोग ने सुरक्षा बढ़ाई

एक मार्च से केंद्रीय बलों की 480 कंपनियों की तैनाती की जाएगी स्ट्रांग रूम्स में ईवीएम और मतगणना केंद्रों की सुरक्षा भी करेंगी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल में शुरुआत में 1 मार्च से क्षेत्र पर नियंत्रण, विश्वास निर्माण उपायों और अन्य चुनाव संबंधी कर्तव्यों के लिए ये तैनाती की जाएगी

10 मार्च तक पूरी हो जाएगी बलों की तैनाती

लगभग 240 कंपनियों के पहले बैच को एक मार्च तक शामिल कर लिया जाएगा, जबकि इतनी ही संख्या में कंपनियां 10 मार्च तक उनसे जुड़ जाएंगी। इन में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल होंगे।



बंगाल समेत 5 राज्यों में अप्रैल में चुनाव होने की अटकलें बीते दिनों ये बात सामने आई थी कि पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल व केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा के चुनाव अप्रैल में हो सकते हैं। निर्वाचन आयोग चुनाव कार्यक्रम की घोषणा मार्च के दूसरे सप्ताह में कर सकता है। असम में इस बार एक चरण में चुनाव होने की उम्मीद है।

कई अन्य राज्यों का आयोग ले रहा जायजा

अधिकारियों ने बताया कि पुडुचेरी में विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को, जबकि असम, केरल, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में क्रमशः मई 20, 23, 10 और 7 को पूरे हो रहे हैं। इन राज्यों में चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए आयोग के अधिकारियों ने दौरे शुरू कर दिए हैं।

प्रदेश में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

राजस्थान में 5.15 करोड़ मतदाता दर्ज, 31 लाख लोगों के नाम कटे

जयपुर। राजस्थान में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। राज्य की 199 विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को कर दिया गया। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार राज्य में कुल 5 करोड़ 15 लाख 19 हजार 929 मतदाता दर्ज किए गए हैं। इससे पहले 27 अक्टूबर 2025 को जारी प्रारंभिक आंकड़ों में मतदाताओं की संख्या 5 करोड़ 46 लाख 56 हजार 215 थी।

खबर संक्षेप

परिवार के 5 लोगों के मिले शव, फंदे पर था पति

कासगंज। यूपी के कासगंज जिले में शनिवार को सनसनीखेज घटना हुई। एक घर में दंपती समेत 3बच्चों



के शव मिले। अम्रापुर कस्बे में एक पेट्रोल पंप के पीछे रहने वाले सत्यवीर के परिवार के लोगों के शव बंद मकान में मिले। मकान के जंगले से देखने पर सत्यवीर का शव फंदे पर लटका मिला जबकि पत्नी व बच्चे मृत अवस्था में मिले हैं।

गांधीनगर में संगठन सशक्तिकरण पर मंथन

गांधीनगर। यहां स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक में राष्ट्रीय



अध्यक्ष नितिन नकीन ने राज्य इकाई के संगठनात्मक ढांचे और आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में गुजरात भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला के नेता और प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए।

रोहित का पीएम को पत्र उड्डयन मंत्री को हटाएं

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मौत का मामला अब सियासी



तुफानी बन गया है। कई सवाल उठे हैं। एनसीपी-एसपी के विधायक रोहित पवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू को पद से हटाने और पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग की है।

मुंबई- कोंकण के बीच रौ-रो फेरी सितंबर से

मुंबई। गणेश चतुर्थी पर राज्य सरकार ने कोंकणवासियों के लिए बड़ा तोहफा दिया है। मुंबई के



भाऊचा धक्का (फेरी व्हाफ) से रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग तक अह-रो-रो (रोल-ऑन/रोल-ऑफ) फेरी सेवा शुरू होने जा रही है। यह सेवा 1 सितंबर से मौसम स्थिर होने के बाद शुरू होगी।

बिरला और मेघवाल ने नए मास्टर डिग्री कार्यक्रमों का किया शुभारंभ

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी

एजेसी ►► सोनीपत

कानून के शासन, लोकतांत्रिक एवं संसदीय संस्थाओं और चुनावी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, राजनीतिक संचार और विधायी मसौदा तैयार करने के क्षेत्र में 3 नए स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम शुरू किए हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला (मुख्य अतिथि) और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल (विशिष्ट अतिथि) की उपस्थिति में हुआ।

चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन, विधायी मसौदा तैयार करने में मिलेगी मदद



3 नए एमए कार्यक्रमों की शुरुआत

विश्वविद्यालय ने एक वर्षीय 3 एमए कार्यक्रम शुरू किए हैं विधायी मसौदा तैयार करने में एमए, चुनावी विश्लेषण एवं प्रबंधन में एमए और राजनीतिक संचार में एमए।

लोकतंत्र को मजबूत करने पर जोर

बिरला ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और ये पाठ्यक्रम लोकतांत्रिक व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। युवाओं की सक्रिय भागीदारी मजबूती देगी।

एआई समिट में यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर भाजपा का हल्ला बोल

देशभर में कांग्रेस को ‘देशद्रोही’ बताकर माफ़ी मांगने के लगाए पोस्टर, नारेबाजी भी की

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली में भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट का शनिवार को आखिरी दिन था। यह 20 फरवरी को खत्म होना था लेकिन लोगों के उत्साह के चलते इसका समय एक दिन बढ़ाया गया है। एक दिन पहले यानी 20 फरवरी को यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एआई समिट 2026 में भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने टी-शर्ट उतारकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पीएम इज कॉम्प्रोमाइज्ड के नारे लगाए।

इसको लेकर अब राजनीतिक बवाल लगातार बढ़ता ही जा रहा है।यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने जो विरोध प्रदर्शन किया। उसके चलते भाजपा अब आक्रामक हो गई है। भाजपा ने शनिवार को देशभर में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया।समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे के पोस्ट लेकर विरोध कर रहे हैं।

बवाल के खिलाफ सड़क पर उतरी भाजपा

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर वार पलटवार



नई दिल्ली। बैरिकेड्स के ऊपर चढ़े भाजयुमो के कार्यकर्ता

महाराष्ट्र में राहुल को काले झंडे दिखाए



बैंगलुरु। भाजयुमो ने बैंगलुरु में कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन किया।

जयपुर में बैरिकेड्स पर ही चढ़ गए

राजस्थान के जयपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता उन पर ही चढ़ गए। राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी भी की।



जम्मू। जम्मू में राहुल के पुतले को फूँका।

दिल्ली में बैरिकेड को तोड़ दिया

समिट में हंगामा करने के विरोध में भाजपा ने दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में प्रदर्शन किया। दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता देशद्रोही राहुल गांधी माफी मांगे के पोस्ट लेकर विरोध किया। नेताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए अकबर रोड को दिल्ली पुलिस ने दो लेयर की बैरिकेड लगाकर बंद कर दिया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड को तोड़ दिया। इस दौरान कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष विनोद सचदेवा के अलावा सांसद मनोज तिवारी भी शामिल हुए। दिल्ली, सूरत, महाराष्ट्र के मुलुंड, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन हुए, जिनमें भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस की निंदा करते हुए नारे लगाए और तख्तियां लहराईं।

चारों आरोपियों को 5 दिन की पुलिस रिमांड

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में शुक्रवार यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में पुलिस ने 4आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट लाया गया। दिल्ली पुलिस ने सभी आरोपियों की 5 दिन की कस्टडी मांगी। जबकि बचाव पक्ष ने इसका कड़ा विरोध करते हुए जमानत याचिका दाखिल की। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस को आरोपियों की 5 दिन की कस्टडी दे दी है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कृष्ण हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव के तौर पर हुई है।

कोर्ट में दिल्ली पुलिस का दावा

नेपाल के जेन-जी आंदोलन से प्रेरित था यूथ कांग्रेस का प्रोटेस्ट

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन करने वाले यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को शनिवार को कोर्ट ने पांच दिनों की पुलिस कस्टडी में भेज दिया। कोर्ट में चारों आरोपियों को पेश किया गया और दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया कि प्रदर्शन करने वाले ये

कार्यकर्ता नेपाल के जेन-जी आंदोलन से प्रेरित थे। कुछ समय पहले नेपाल में हुए जेन-जी आंदोलन से वहां की सरकार गिर गई थी। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के इस प्रदर्शन के पीछे एक बड़ी साजिश थी।

अब यूथ कांग्रेस ने महात्मा गांधी की तस्वीर साझा कर दी सफाई

‘शर्टलेस’ विरोध के एक दिन बाद इंडियन यूथ कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट कर अपने प्रदर्शन का बचाव किया है। संगठन ने महात्मा गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि हम गांधी के वंशज हैं। शर्टलेस ही सही। कल भी लड़ रहे थे, आगे भी लड़ते रहेंगे। अन्य पोस्ट में यूथ कांग्रेस ने कहा कि जब सत्ता सुनने से मना कर दे, तो युवा उठ खड़े होते हैं।

भाजपा के सुधांशु बोले

यूथ कांग्रेस को बताया ‘लश्कर-ए-राहुल’, देश कमी माफ नहीं करेगा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के हंगामे पर कहा कि ‘लश्कर-ए-राहुल’ के झंडाबरदार भारत को इज्जत को तार-तार करने में लगे हुए हैं। इस तरह के निंदनीय कृत्य के लिए देश की जनता कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेगी। सम्मेलन में भारत की प्रतिभा और बुद्धिमत्ता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, तो कांग्रेस की निम्नता और नग्नता का एक शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला।

कांग्रेस का वार

ये डील नहीं देश के लिए परेशानी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। इस फैसले के बाद भारत की राजनीति में भी प्रतिक्रिया सामने आई। कांग्रेस ने इसे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस का आरोप है कि भारत और अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम व्यापार समझौता दरअसल देश के लिए ओरडील यानी परेशानी साबित हो रहा है।

ब्रज में होली का आगाज...



मथुरा। वसंतोत्सव के साथ ही ब्रज में होली का आगाज हो गया है। इस दौरान बांके बिहारी मंदिर में प्रेमरंग बरसा।

गुवाहाटी में सीआरपीएफ परेड में बोले गृहमंत्री शाह

कांग्रेस सरकारों ने कराई घुसपैट, हम चुन-चुनकर निकालेंगे

सुरक्षा बलों की तारीफ कर घुसपैटियों को सख्त संदेश दिया



चुनाव से पहले घुसपैटियों को दी चेतावनी

असम में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। शाह दो दिनों के प्रदेश के दौरे पर हैं। शनिवार को उन्होंने गुवाहाटी में सीआरपीएफ स्थापना दिवस के मौके पर परेड के बाद संबोधित किया। पूर्वोत्तर में पहली बार यह आयोजन हो रहा है। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा बलों की तारीफ की।

जल्द खत्म कर देंगे नक्सलवाद

देशभर में नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई लगातार जारी है। झारखंड, छत्तीसगढ़ से लेकर महाराष्ट्र तक बड़े पैमाने पर या तो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है या मारे गए हैं।

प्रदेश को दी बड़ी सौगात

शाह ने 6,900 करोड़ की लागत से ‘वाइब्रेंट विलेजेंज प्रोग्राम’ के दूसरे चरण की शुरुआत भी की। यह योजना देश के 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में सीमावर्ती गांवों के समग्र विकास पर केंद्रित है। असम जैसे सीमावर्ती राज्य में इस योजना को चुनावी दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि भाजपा इसे ‘सीमा सुरक्षा के साथ विकास’ के मॉडल के रूप में पेश कर रही है।

ब्राजील के राष्ट्रपति सिल्वा बोले

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा कहा कि भारत और ब्राजील मिलकर ग्लोबल साउथ को भी मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को दो बड़ी महाशक्तियों के बीच किसी नए शीत युद्ध जैसी स्थिति का सामना फिर कभी न करना पड़े

खबर संक्षेप

पाक में आत्मघाती हमला दो सुरक्षाकर्मी मारे गए
पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को खुफिया जानकारी पर आधारित एक अभियान के दौरान हुए आत्मघाती हमले में दो सुरक्षाकर्मी मारे गए। सेना की मीडिया शाखा के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के बन्नु जिले में चलाए गए अभियान के दौरान अफगान अल-ख्वारिज के पांच आतंकी भी मारे गए। बन्नु शहर में सुरक्षाबलों ने वाहन सवार आत्मघाती हमलावर को रोक लिया, जिससे आम नागरिकों को निशाना बनाने की उसकी योजना पर पानी फिर गया।

सेना प्रमुखों के किताब लिखने पर रोक नहीं

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के विवाद के बाद पहली बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पूर्व सेना प्रमुखों के किताब लिखने पर रोक नहीं लगेगी। रक्षा मंत्री ने उन खबरों को भी सरासर गलत बताया, जिसमें कहा गया था कि सेना से जुड़े अधिकारियों को रिटायरमेंट के 20 साल बाद तक कोई किताब लिखने की इजाजत नहीं होगी। हाल में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने जनरल नरवणे की किताब को लेकर संसद में अपनी बात रखी थी।

नेपाल में दो गुटों में झड़प के बाद कर्फ्यू

काठमांडू। दक्षिणी नेपाल में मधेश प्रांत के रौतहट जिले में दो गुटों के बीच हुई झड़पों के बाद तनाव बढ़ने पर कुछ हिस्सों में शनिवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। बुधस्पतिवार शाम को एक विवाद के बाद दो समुदायों के बीच झड़पें शुरू हुईं, जिसके बाद शुक्रवार और शनिवार सुबह तक जारी रही हिंसा में कम से कम आठ लोग घायल हो गए। मुख्य जिला अधिकारी दिनेश सागर भुसाल के अनुसार, शनिवार दोपहर एक बजे से जिला मुख्यालय गौर और अन्य हिस्सों में अगले आदेश तक कर्फ्यू लागू रहेगा।

इजराइल-भारत के बीच होगी डिफेंस डील मिलेगी गोल्डन मिसाइल, 1000 किमी दूर से पर करेगी वार, चीन की मिसाइल फेल

एजेसी ►► नई दिल्ली पीएम नरेंद्र मोदी के इजराइल दौरे के दौरान भारत और इजराइल के बीच एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम बनाने के लिए बहुत बड़ा समझौता हो सकता है। ये एक एयर डिफेंस सिस्टम होगा, जो बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराएगा। इसके अलावा दोनों देशों के बीच कुछ 25-26 फरवरी को इजराइल की यात्रा पर रहेगी। भारत खुद का एयर डिफेंस सिस्टम ‘सुदर्शन चक्र’ बना रहा है और उस दिशा में ये सौदा मील का पत्थर साबित हो सकता है।

भारत को लेकर हमारी उम्मीदें बहुत बड़ी, साथ करेंगे काम

एजेसी ►► नई दिल्ली राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा 18-22 फरवरी तक भारत के राजकीय दौरे पर हैं। शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी ने उनकी आगवानी की। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत को लेकर ब्राजील की उम्मीदें बहुत बड़ी हैं। अगर हम साथ मिलकर काम करेंगे, तो भारत-ब्राजील के रिश्ते और मजबूत होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश मिलकर ग्लोबल साउथ को भी मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को दो बड़ी महाशक्तियों के बीच किसी नए शीत युद्ध जैसी स्थिति का सामना फिर कभी न करना पड़े।



राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, ब्राजील के राष्ट्रपति लूल डी सिल्वा और पीएम नरेंद्र मोदी

लूला के नेतृत्व से संबंध मजबूत हुए पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति लूला और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में स्वागत करते हुए मुझे बेहद खुशी हो रही है। राष्ट्रपति लूला की दूरदृष्टि और नेतृत्व से भारत-ब्राजील संबंधों को लंबे समय से लाभ मिला है। पिछले कुछ सालों में मुझे उनसे कई बार मिलने का सौभाग्य मिला है। पीएम नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री प्रणव गोयल, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोमाल, विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री पबित्रा मर्गेरिता, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल मौजूद थे।

भारत में छठी बार आकर खुशी हो रही

राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा कि मेरे प्रिय मित्र मोदी, इस देश में छठी बार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत और ब्राजील की यह मुलाकात बेहद खास है। हम सिर्फ ग्लोबल साउथ की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें ही नहीं हैं, बल्कि यह एक डिजिटल शक्ति और एक नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील दोनों ही विविधताओं से भरे बड़े देश हैं, सांस्कृतिक उद्योग के बड़े केंद्र हैं और हम दोनों शांति का समर्थन करते हैं।

सिल्वा का मार्गदर्शन दोनों देशों के लिए जरूरी



राष्ट्रपति सिल्वा के साथ विदेश मंत्री जयशंकर

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शनिवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि राष्ट्रपति सिल्वा से मुलाकात का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जयशंकर ने नई दिल्ली और ब्रासीलिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर उनके मार्गदर्शन की सराहना की। जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी के साथ उनकी मुलाकात से हमारे संबंधों को नई गति मिलेगी।

महात्मा गांधी के मूल्य प्रेरणादायी



राजघाट पर महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि अर्पित की

राष्ट्रपति भवन पहुंचने से पहले राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने राजघाट पर महात्मा गांधी की श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के मूल्य और आदर्श आज भी प्रेरणा देते हैं। साथ ही भारत-ब्राजील साझेदारी को नितर प्रेरित करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ब्राजील के राष्ट्रपति ने बापू की शाश्वत विरासत और संदेश का सम्मान किया।
एआई लोगों की नौकरियां नहीं छीन सकता
शुक्रवार को ब्राजीली राष्ट्रपति लूला ने एआई समिट के दौरान कहा था कि पीएम मोदी का यह समिट बुलाना बहुत अच्छा और महत्वपूर्ण कदम है। बिना चर्चा और बैठकों के अच्छी नीति नहीं बन सकती। एआई मानवता के लिए बहुत बड़ा है, लेकिन इसे समाज की सेवा में लगाना चाहिए। यह स्वास्थ्य और शिक्षा सुधार सकता है, लेकिन मानव नौकरियों की जगह नहीं ले सकता। भारत जैसे बड़े देश में रोजगार बढ़ाना जरूरी है। एआई कुछ लोगों का नहीं, बल्कि पूरी सिविल सोसाइटी का होना चाहिए। इस बहस से बहुत फायदा हुआ। शुक्रवार को ही उन्होंने नई दिल्ली में ब्राजीलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (एपेक्स) के पहले कार्यालय का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इससे विदेशों में ब्राजील के उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।

यूएस राजदूत हकाबी का दावा इजराइल मिडिल ईस्ट पर कब्जा करे तो हमें कतई ‘आपत्ति’ नहीं

►► **कहा- बाइबिल के वचन में इसका जिक्र**

इजराइल का ये हक
हकाबी ने यह तर्क देने की कोशिश की कि इजराइल का अस्तित्व का अधिकार अंतरराष्ट्रीय कानून में मौजूद है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून की निगरानी करने वाली कानूनी संस्थाओं पर भी इजराइल के हक की अनदेखी करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और विदेश मंत्री रूबियो द्वारा आईसीसी (अंतराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय) और आईसीजे से छुटकारा पाने के लिए किए जा रहे एग्रेसों के लिए मैं बहुत अगम्य हूँ, इसका एक कारण यह है कि ये ऐसे भ्रष्ट संगठन बन गए हैं, जो आज वास्तव में कानून को समान तरीके से लागू नहीं कर रहे हैं।
लेबनान में इजराइल के हमले में 12 की मौत
बेस्स। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में शुक्रवार को इजराइल के हमले में 12 लोग मारे गए और 24 व्यक्ति घायल हो गए, इनमें बच्चे भी शामिल हैं। इससे पहले दिन में एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इजराइली हमले में दो और लोग मारे गए थे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इजराइल ने दावा किया कि उसने बेका घाटी में लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला के कमान केंद्रों पर हमला किया है, हालांकि हिजबुल्ला ने इस पर कोई बयान जारी नहीं किया। इससे पहले शुक्रवार को इजराइल के एक और हमले में बंदरगाह शहर सिडोन में स्थित एक फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर को निशाना बनाया गया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। इजराइली की सेना ने दावा किया कि उसने ऐन अल-हिलवे शिविर में स्थित हमास के कमान केंद्र पर हमला किया है। हमारा ने भी स्वीकार किया कि हमले में उसके दो सदस्य मारे गए, लेकिन कमान केंद्र पर हमले के दावे को उसने बेबुनियाद बताया।

अमेरिकी राष्ट्रपति के नए फैसले के बाद भारत को मिली एक बड़ी राहत भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर टैरिफ 18% से घटाकर 10% किया

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया स्मार्ट प्रधानमंत्री

एजेसी ►► वॉशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति के नए फैसले के बाद भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। अब भारत से अमेरिका जाने वाले सामान पर लगने वाला टैरिफ घटाकर 10% कर दिया गया है, जो पहले 18% तय किया गया था। यह नया अस्थायी टैरिफ 24 फरवरी से लागू होगा और फिलहाल 150 दिनों तक प्रभावी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के उलट ट्रंप ने अमेरिकी कानून की धारा 122 का उपयोग करते हुए यह ऐलान किया। ट्रंप ने इसे ‘अस्थायी आयात शुल्क’ बताया है, जिसका मकसद अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय भुगतान संतुलन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करना है। व्हाइट हाउस ने एक फैक्टशीट जारी कर बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 के तहत यह कदम उठाया है।

इसके जरिए राष्ट्रपति कुछ आधारभूत अंतरराष्ट्रीय भुगतान समस्याओं को दूर करने के लिए अस्थायी आयात शुल्क और विशेष प्रतिबंध लगा सकते हैं। बता दें कि अमेरिकी कानून धारा 122 के तहत दुनियाभर पर लगाए गए 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ 150 दिनों के बाद अपने आप समाप्त हो जाएंगे, जब तक कि कांग्रेस बंद न करने के लिए वोट न करे। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि राष्ट्रपति चाहें तो समय से पहले भुगतान संतुलन आपातकाल की घोषणा कर इन उपायों को दोबारा लागू कर सकते हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि इस टैरिफ की घोषणा के बाद कुछ जरूरी वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं होगा। इनमें कुछ महत्वपूर्ण खनिज और धातुएं, ऊर्जा और ऊर्जा उत्पाद, प्राकृतिक संसाधन और उर्वरक, कृषि उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स और संबंधित सामग्री और कुछ इलेक्ट्रॉनिक्स और यात्री वाहन शामिल हैं।

भारतीय निर्यातकों को मिलेगा लाभ कुछ वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं

भारत के साथ ‘ट्रेड डील’ अब ‘फेयर डील’
ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा कि पीएम मोदी हमारा फायदा उठा रहे थे। उन्होंने साफ कहा कि सुप्रीम कोर्ट के टैरिफ पर फैसले के बावजूद भारत के साथ हुई ट्रेड डील में कोई बदलाव नहीं होगा। ट्रंप के मुताबिक, कुछ भी नहीं बदला है- भारत हमें टैरिफ देता रहेगा, जबकि अमेरिका भारत को कोई टैरिफ नहीं देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पहले व्यवस्था उलटी थी और भारत अमेरिका पर ज्यादा फायदा उठा रहा था, लेकिन उनकी सरकार ने समझौता प्लेटफॉर्म इसे ‘फेयर डील’ बना दिया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें महान व्यक्ति बताया, लेकिन कहा कि व्यापार के मामले में भारत पहले अमेरिका से ज्यादा स्मार्ट साबित हुआ था।

भारत से व्यापार घाटा 58.2 अरब डॉलर तक बढ़ा

ट्रंप की तरफ से भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक उच्च टैरिफ लगाने के बावजूद अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 2025 में 58.2 अरब डॉलर हो गया। यह पहले 45.7 अरब डॉलर के करीब था। इस बात की जानकारी अमेरिकी सरकार ने दी। बता दें, अमेरिका का दिसंबर 2025 में कुल व्यापार घाटा (वस्तु और सेवा) 70.3 अरब डॉलर रहा, जो नवंबर में 53 अरब डॉलर था। वहीं, दिसंबर में भारत के साथ व्यापार घाटा 5.2 अरब डॉलर रहा। पूरे साल 2025 के लिए अमेरिका का कुल व्यापार घाटा 901.5 अरब डॉलर रहा, जबकि 2024 में यह 903.5 अरब डॉलर था।

श्रीनगर में बड़ा हादसा, चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खोया सीआरपीएम की बस नहर में गिरी, 7 जवान घायल

एजेसी ►► श्रीनगर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के बाहरी इलाके में शनिवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां डगपोरा के अंतर्गत अहमद नगर रोड पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक बुलेटप्रूफ बंकर वाहन अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरा। इस दुर्घटना में सीआरपीएफ के सात जवान घायल हो गए। अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन डगपोरा रोड से गुजर रहा था। अचानक चालक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया, जिसके कारण बुलेटप्रूफ बंकर सड़क से फिसलकर सीधे साथ लगती नहर में पलट गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के तुरंत बाद सभी घायल जवानों को उपचार के लिए शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सौरा ले जाया गया। चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, सभी जवानों को चोटें आई हैं, लेकिन फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।



नहर में गिरा हुआ वाहन

आतंकी साजिश नाकाम
जम्मू-कश्मीर में बीते कुछ ही दिनों में कई जगहों पर आईईडी पाए गए हैं। शनिवार को गांदरबल में सड़क के किनारे ही इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोजिव डिवाइस (आईईडी) पाया गया है। कोहस्तान कॉलोनी के पास ही गुलाब शेख मोहल्ले में इसे सड़क के किनारे एक बग में रखा गया था। एजेंसियों को इसकी जानकारी मिल गई और बम विरोधक दस्ते ने पहुंचकर इसे निष्क्रिय कर दिया। एक दिन पहले ही बारामुला जिले के जांबाजपोरा इलाके में आईईडी पाया गया था। सेना ने आईईडी मिलने के बाद बड़ी सावधानी से इसे निष्क्रिय कर दिया।

भारतीय नौसेन्य शक्ति का प्रदर्शन

लश्कर की साजिश, दिल्ली अलर्ट पर
दिल्ली में आतंकी खतरे की आशंका संबंधी खुफिया जानकारी मिलने के बाद शनिवार को लाल किले के आसपास के इलाके और चांदनी चौक के कुछ हिस्से सहित राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलएटीटी) ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को हमले वाले स्थानों की सूची में रखा है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने लाल किले के पास संभावित विस्फोट के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है, जो प्रमुख पर्यटन स्थल और उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र हैं।



विशाखापत्तनम। आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम के तट पर अंतराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा (आईएफआर) 2026 के हिस्से के रूप में आयोजित एक समुद्री प्रदर्शन के दौरान भारतीय नौसेना का एक सी किंग 42बी हेलीकॉप्टर रेंगने की तकनीक का प्रदर्शन करता हुआ।

ट्रंप के सामने रखी गई ईरान पर हमले की योजना सुप्रीम लीडर खामेनेई और बेटे मोजतबा पर होगा पहला वार

■ सलाहकारों ने ट्रंप को बताए कई विकल्प

■ ट्रंप किसी भी समय कर सकते हैं फैसला

एजेसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिकी अधिकारियों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने ईरान पर सैन्य हमले की योजना प्रस्तुत की गई है। इसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को मारने का विकल्प भी शामिल है। मोजतबा को ईरान में सुप्रीम लीडर की गद्दी के सबसे मजबूत दावेदार के रूप में देखा जाता है। एक अमेरिकी मीडिया ने ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में ट्रंप के एक वरिष्ठ सहायक के हवाले से कहा गया कि जिन संभावित स्थितियों पर बात हुई, उनमें से एक खामेनेई और उनके बेटे मोजतबा को खत्म करना भी शामिल था। राष्ट्रपति ने अभी तक हमला करने का फैसला नहीं किया है।



डोनाल्ड ट्रंप अयातुल्ला खामेनेई

ट्रंप के सामने कई विकल्प
रिपोर्ट में बताया गया है कि रक्षा विभाग ने ईरान को लेकर ट्रंप के सामने कई विकल्प रखे हैं। ट्रंप के सामने पर हर परिस्थिति के लिए कुछ न कुछ है। आखिर में क्या होगा, यह पता नहीं है। सलाहकार ने कहा कि राष्ट्रपति क्या चुनते हैं, कोई नहीं जानता। एक और अधिकारी ने कहा, ट्रंप ने अपने विकल्प खुले रखे हैं। वह किसी भी समय हमले का फैसला कर सकते हैं।

ईरान को दी 10 दिन की मोहलत

वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को एक संयोजन के तहत हमले में कहा कि वह ईरान पर सीमित सैन्य हमले के बारे में विचार कर रहे हैं, ताकि तेहरान को उनके परमाणु कार्यक्रम पर डील के लिए दबाव बनाया जा सके। बोर्ड ऑफ पेंस की बैठक से पहले, ट्रंप ने ईरान को अक्टूबर के दो हफ्ते 10 दिन का समय दिया था। ट्रंप ने कहा था कि 10 दिन में पता चलेगा। इस बीच ईरान ने कहा है कि उनसे कुछ दिनों में डील पर झटकेदार हो जाएगा, जिसे अमेरिका को मंजूर करना होगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास आरगची ने भी इसकी पुष्टि की।

शुद्धता

AJANTA

ISO 9001:2015

ESTD 1949

AJANTA

Baking Powder

Food Color Preparation

Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours

www.ajantafoodproducts.com



लाइफ Style

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की मारी असफलता और उससे जुड़े विवादों पर पहली बार खुलकर बात की है। अर्जुन कापूर संग बनी इस फिल्म को भारतीय सिनेमा की अब तक की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक माना जाता है।

रजनीकांत-कमल हासन की फिल्म ‘आरके एक्स केएच’ का पोस्टर जारी

मुंबई। साउथ के 2 दिग्गज रजनीकांत और कमल हासन एक साथ आने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने आखिरकार उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आरके एक्स केएच' का पोस्टर जारी कर दिया है। इसी के साथ प्रोमो रिलीज पर अपडेट दे दिया है। पिंकविला की रिपोर्ट में बताया गया था कि प्रोमो के लिए दोनों ने रेड्रो लुक में शूटिंग

की है, जिसका सबूत पोस्टर में देखने को मिला है। इसे 'कूल रेड्रो स्वेग' नाम दिया गया है, जिसे देखने के लिए लोग उतावले हैं। 'आरके एक्स केएच' के पहले पोस्टर में 2 व्यक्तियों के हाथ दिखाए गए हैं। एक ने सोने की चमचमाती हुई घड़ी पहन रखी है, जबकि दूसरे के हाथ में सोने की अंगूठी नजर आ रही है।

भूमि

काश में सिस्टम का हिस्सा होती

एंजेसी ►► मुंबई

भूमि ने एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म का जो वर्जन दर्शकों ने देखा, वो अधूरा था। भूमि बोलीं कि इस फिल्म की असफलता ने उन्हें बुरी तरह तोड़ दिया था। मीडिया से बातचीत के दौरान भूमि ने अपनी फिल्म 'द लेडी किलर' की विफलता को याद किया, जो हाल के वर्षों में बॉलीवुड की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्मों में से एक बनकर उभरी। उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा कभी शूट ही नहीं किया गया था। हमने जो स्क्रिप्ट पढ़ी थी, वो पूरी थी, लेकिन सेंट पर फिल्म को अधूरा छोड़ दिया गया और जो कुछ रिलीज हुआ, वो एक अधूरी फिल्म थी।

भूमि ने बताया क्यों फ्लॉप हुई फिल्म : भूमि बोलीं कि जो फिल्म सिनेमाघरों में पहुंची, वह उस वर्जन से कोसों दूर थी, जिसे कलाकारों ने शुरुआत में साइन किया था। उन्होंने बताया, काश मुझे बेहतर पता होता, शायद अगर मैं सिस्टम का हिस्सा होती तो चीजों को अलग तरह से संभाल सकती थी। मैं सदमे में थी। मैं बस यही सोचती रह गई कि आखिर हो क्या रहा है, क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था। आखिरकार, मैंने खुद को समझाया कि यह एक सीख थी।



हॉलीवुड मसाला

हाउस ऑफ द... का टीजर जारी

लॉस एंजिल्स। एवबीओ की सबसे चर्चित वेब सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' लंबे समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। निर्माताओं ने आखिरकार इसके तीसरे सीजन को लेकर बड़ी खुशखबरी साझा कर दी है। पोस्टर के बाद, उन्होंने आधिकारिक टीजर जारी किया है, जिसमें आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। रेनीरा टागोरियन के प्रभावशाली किरदार में, अभिनेत्री एस्मा डी'आसी ने दमदार वापसी की है। इसके अलावा, आयरन थोन के लिए चल रहे युद्ध की पहली झलक दिखाई गई है।



साउथ एशियन सेलिब्रेशन में चमकी ‘बूंग’ और ‘द परफेक्ट नेबर’

लंदन स्थित ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स (BAFTA) मुख्यालय में आयोजित 'सेलिब्रेशन साउथ एशियांस' कार्यक्रम में डेब्यू डायरेक्टर लक्ष्मीप्रिया देवी की फिल्म 'बूंग' और भारतीय-अमेरिकी डायरेक्टर गीता गांधबीर की डॉक्यूमेंट्री 'द परफेक्ट नेबर' ने खूब तालियां बटोरीं। मणिपुरी कॉमेडी-ड्रामा 'बूंग' को फरहान अख्तर के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट के समर्थन में बनाया गया है। ये मूवी बाफ्टा अवॉर्ड्स के बेस्ट विल्डन एंड फेमिली फिल्म कैटेगरी में नॉमिनेट हुई है। फिल्म की टीम की ओर से असिस्टेंट डायरेक्टर राहुल शारदा ने कहा, 'भारत की क्षेत्रीय फिल्मों को ग्लोबल मंच पर पहचान मिलना बहुत गर्व की बात है। भारत सिर्फ नाच-गाने वाली बॉलीवुड फिल्मों तक सीमित नहीं है, हमारी सांस्कृतिक विविधता बहुत बड़ी है।'



‘लोका चैप्टर-2’ को लेकर झूम उठेंगे फैस

मुंबई। साउथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की चर्चित फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' की अपार सफलता के बाद फैस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि फिल्म के क्लाइमैक्स में दुलकर सलमान के कैमियो ने एक बड़ा सस्पेंस छोड़ा था जिसके बारे में जानने के लिए लोग उतावले हो रहे हैं। सलमान के प्रोडक्शन हाउस, वेफर फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के सीक्वल पर अब खुद कल्याणी ने बड़ा अपडेट साझा किया है। मनी कंट्रोल के मुताबिक, कल्याणी ने 'लोका चैप्टर 2' पर एक अहम अपडेट साझा करते हुए पुष्टि की है कि उनका किरदार सीक्वल में वापसी करेगा। नक्षत्र, 2026 कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'लोका चैप्टर 2' की कहानी शुरू हो चुकी है। हम सितंबर, 2026 तक शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं।



शिल्पा-जैकी 26 साल बाद फिर एक साथ

मुंबई। शिल्पा शेट्टी और जैकी श्रॉफ की जोड़ी पूरे 26 साल बाद पदे पर वापसी कर रही है। ये दोनों कलाकार अमेजन प्राइम वीडियो की एक नई वेब सीरीज के लिए साथ आए हैं। आखिरी बार इन्हें 26 साल पहले पदे पर साथ देखा गया था, इसलिए दशकों बाद इनके नए प्रोजेक्ट ने दर्शकों को काफी उत्साहित कर दिया है। शिल्पा और जैकी के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी इस सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, शिल्पा और जैकी की जोड़ी पदे पर धमाल मचाने को तैयार है। दोनों अमेजन प्राइम वीडियो की एक वेब सीरीज के लिए बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि ये 8 कड़ियों की एक 'स्लाइस-ऑफ-लाइफ' ड्रामा सीरीज होगी, जो शहरी रिश्तों और जीवन में मिलने वाले दूसरे मौकों की कहानी बयान करेगी।

टीवी मसाला



द 50 शो से बाहर आते ही शिव ठाकरे के बिगड़े बोल, कहा- वहां हम जानवरों से...

मुंबई। रियलिटी शो द 50 शो इन दिनों जमकर सुर्खियां बटोर रहा है। कई रिपोर्ट्स की मानें, तो अगले महीने इस शो का बैंड फिनाले होगा। वहीं, शो के विनर का भी नाम सामने आ चुका है। कहा जा रहा है कि शिव ठाकरे इस बार ट्रॉफी अपने नाम करेंगे। वहीं, इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें शिव और प्रिंस नरूला साथ नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में महल से बाहर आने के बाद यह दोनों अपना शो में एक्सपेरियेंस शेयर कर रहे हैं। वलिए जानते हैं आखिर इन कंटेस्टेंट्स से शो को लेकर क्या-क्या कहा।

क्या सच में शो से बाहर आ गए हैं शिव-प्रिंस? : सोशल मीडिया पर वायरल वलित में शिव कहते हैं कि शो के दौरान वह 'कुछ जानवरों' से मिले। हालांकि उनका अंदाज पूरी तरह मजाकिया दिख रहा था, लेकिन इस एक लाइन ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। प्रिंस नरूला भी बातचीत में शामिल होते हुए कहते हैं कि शो से बाहर आने के बाद उन्हें लग रहा है कि अंदर का समय काफी अच्छा था। दोनों ने यह भी माना कि उन्होंने गेम से ज्यादा मस्ती की और शो को एंजॉय किया।

प्रिंस नरूला ने शो के बारे में क्या-क्या बताया? : जब पैराजो ने उनसे पूछा कि क्या शो में झगड़े ज्यादा होते थे, तो शिव ने साफ कहा कि उन्हें लड़ाई-झगड़ा पसंद नहीं है। उनका कहना था कि जहां भी विवाद होता था, वे उस जगह से हट जाना बेहतर समझते थे। उन्होंने बताया कि शो के दौरान वे और प्रिंस अक्सर तनाव से दूर रहकर फन मोमेंट्स पर ज्यादा ध्यान देते थे।

सलमान, आमिर के बाद अर्नब गोस्वामी बन सुनील गोवर ने लूट ली महफिल

मुंबई। हाल ही में टीवी के सबसे चर्चित कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में फिलम 'ओरोमियो' की स्टार कास्ट पहुंची। इस खास एपिसोड में फिल्म मेकर विशाल भारद्वाज भी मौजूद थे लेकिन हर बार की तरह इस बार भी अरुली महफिल सुनील गोवर ने लूट ली। उनकी पट्टी और अंदाज ने दर्शकों को हंसी से लोटपोट कर दिया। कभी सलमान खान का दर्बन स्टाइल, कभी आमिर की परफेक्शन वाली झलक, हर बार नए अवतार में नजर आने वाले सुनील गोवर ने इस बार मशहूर व्यूज एंकर अर्नब गोस्वामी की पैरोडी की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और फैस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। सुनील ने अपने सेगमेंट का नाम 'मुद्दा गर्म' रखा, जहां उन्होंने अपनी कॉमेडी से सभी को हसने पर मजबूर किया। इस दौरान सुनील कहते हैं कि 'हमारी डिबेट में सबसे जरूरी है बोलना, लेकिन क्या बोलना है, ये मायने नहीं रखता।'

तापसी पन्नू को मृणाल ठाकुर ने दी पटखनी ‘अस्सी’ से आगे निकली ‘दो दीवाने शहर में’

मुंबई। बॉलीवुड के लिए ये शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक साबित नहीं हुआ। तापसी पन्नू की 'अस्सी', जिसे समीक्षकों से तो सराहना मिली, लेकिन दर्शकों को खींचने में ये फिल्म पहले दिन पूरी तरह विफल रही, वहीं युवाओं के बीच चर्चा बटोर रही मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी की 'दो दीवाने शहर में' ने भी बॉक्स ऑफिस पर बेहद ठंडी शुरुआत की है। हालांकि, 'दो दीवाने शहर में' की पहले दिन की कमाई ने 'अस्सी' को पछाड़ दिया है।

1 करोड़ का आंकड़ा भी पार ना कर पाई 'अस्सी'

रिपोर्ट के मुताबिक, 'अस्सी' ने अपने पहले दिन देशभर में मात्र 1 करोड़ रुपये कमाए। ये आंकड़ा इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि इस साल आई यामी गौतम की महिला कैदित की छोटे बजट की फिल्म 'हक' भी कमाई के मामले में इससे आगे रही। इसने भी 1.75 करोड़ रुपये बटोरे थे। मुक और 'थप्पड़' जैसी सफल फिल्मों के बाद निर्देशक अनुभव सिन्हा और तापसी इस बार 'अस्सी' लेकर आए, जिसे तारीफ तो खूब मिली, लेकिन दर्शक नसीब नहीं हुए।



दर्शकों की तारीफ पर टिका फिल्म का भविष्य : फिल्म समीक्षकों और ट्रेड पंडितों का स्पष्ट मानना है कि 'अस्सी' जैसी गंभीर और विषय-प्रधान फिल्मों का भविष्य पूरी तरह से 'वर्ड ऑफ माउथ' यानी दर्शकों की सकरात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर करता है। पहले दिन की सुस्त शुरुआत के बाद फिल्म के पास संभलने के लिए अब केवल वीकेंड का ही सहारा है।

‘दो दीवाने शहर में’ की सधी हुई शुरुआत

उधर 'दो दीवाने शहर में' ने पहले दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि, ये आंकड़ा बड़ा नहीं है, लेकिन तापसी की फिल्म 'अस्सी' (1 करोड़) के मुकाबले ये फिल्म 25 लाख की बढ़त बनाने में कामयाब रही। फिल्म को युवाओं और मल्टीप्लेक्स दर्शकों का साथ मिला है। रवि उदयाकर के निर्देशन वाली ये फिल्म मुंबई के 2 युवाओं की कहानी है, जो अपनी कमियाँ और अकेलेपन के बीच प्यार तलाशते हैं। शहरी युवाओं को इसकी कहानी खूब मा रही है।

समुद्री डाकू के रूप में दमदार अवतार देखने के लिए फैस काफी उत्साहित

प्रियंका की ‘द ब्लफ’ से पहले समुद्री डाकूओं पर बनीं हैं ये फिल्में

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा अपनी चर्चित फिल्म 'द ब्लफ' के जरिए फिर पूरी दुनिया का दिल जीतने आ रही हैं। 25 फरवरी, 2026 को यह अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म में अभिनेत्री का समुद्री डाकू के रूप में दमदार अवतार देखने के लिए फैस काफी उत्साहित है। इसी विषय से संबंधित कुछ शीर्ष रेटिंग वाली फिल्में पिछले सालों में रिलीज हुई हैं, जिनका लुक उठाकर समुद्री डाकूओं की रोमांचक दुनिया का दीदार किया जा सकता है।

‘पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन’ फ्रैंचाइजी

समुद्री डाकूओं पर बनी 8.1 रेटिंग वाली सबसे चर्चित फिल्म 'पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन' का जिक्र होना लाजिमी है। निर्देशक गॉर वरबिन्स्की ने इसकी पहली 3 किस्तों 'द कर्स ऑफ द ब्लैक पल', 'डेड मैन्स चेस्ट' और 'एट वर्ल्ड्स एंड' को बनाया था। इसकी 2 अन्य किस्तें 'ऑन स्ट्रेंजर टाइम्स' और 'डेड मेन टेल नो टेलस' भी हैं। फिल्म की कहानी जैक स्पैरो (जॉनी डेप) नाम के समुद्री डाकू, श्रापित खजाने और जहाजों के रोमांचक सफर के इर्द-गिर्द घूमती है।

‘कैप्टन फिलिप्स’ और ‘द पाइरेट्स! बैंड ऑफ मिसफिट्स’

ऑस्कर विजेता टॉम हॉक्स की फिल्म 'कैप्टन फिलिप्स' 2013 में रिलीज हुई जिसे 7.8 की रेटिंग मिली है। इसकी कहानी 2009 में सोमाली समुद्री लुटेरों द्वारा अमेरिकी जहाज 'मर्सक अलबामा' के अपहरण करने की सच्ची घटना पर आधारित है। इसे 6 ऑस्कर नामांकन मिले थे। 'द पाइरेट्स! बैंड ऑफ मिसफिट्स' एक बेहतरीन कॉमेडी एनिमेटेड फिल्म है जिसकी रेटिंग 6.7 है। कहानी एक जहाज कैप्टन पर बुनी गई है जो पायरेट ऑफ द ईयर का पुरस्कार जीतना चाहता है।



‘द पाइरेट्स ऑफ सोमालिया’ और ‘द प्रिसेस ब्राइड’

बायन बकले द्वारा निर्देशित 'द पाइरेट्स ऑफ सोमालिया' एक कमाडाई फनकार जय बहादुर की किताब पर आधारित है। कहानी समुद्र डाकूओं की रोजमर्रा की जिंदगी को दिखाती है। इसे आईएमडीबी पर 6.7 की रेटिंग मिली है। द प्रिसेस ब्राइड 1987 में रिलीज एक कल्ट क्लासिक फिल्म है जिसे 8 की रेटिंग मिली है। रॉब रेनर द्वारा निर्देशित इसकी कहानी एक प्रेमी वेस्टली के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपनी प्रेमिका बटरकप को बचाने के लिए समुद्री डाकू का रूप लेता है।

उपद्रव व तनाव का व्यापार और परीक्षाओं पर दिखा असर

सिहोरा काण्ड: 60 से अधिक गिरफ्तारियां

हरिभूमि न्यूज जबलपुर।

गुरुवार रात भड़के साम्प्रदायिक तनाव के बाद सिहोरा को पूरी तरह शांत करने के लिए प्रशासन और पुलिस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लगातार तीसरे दिन भी कस्बे में भारी पुलिस बल तैनात रहा। शुक्रवार देर रात एक बार फिर संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया और 60 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों को मादोताल थाने में ही रखा गया है, जहां उनसे पूछताछ जारी है। जिसका असर था की शनिवार सुबह तक सिहोरा पटरी पर लौट आया। बाजार खुलने लगे और सड़क पर चहल पहल नजर आई। हालांकी शनिवार को हुई 5-8 वीं बोर्ड परीक्षाओं में बीते दिनों हुई हिंसा का असर खाफ देखने मिला, सिहोरा अंतर्गत आने वाले स्कूलों में हुई परीक्षा में करीब 450 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। प्रशासन का दावा है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है, लेकिन लोगों में दहशत का माहौल अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। सबसे ज्यादा असर स्थानीय व्यापार पर पड़ा है। दो दिन पहले तक निर्भय होकर दुकानें खोलने वाले व्यापारी अब सहम हुए नजर आ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार रात करीब साढ़े नौ बजे दो पक्षों के बीच हुए विवाद ने तनाव का रूप ले लिया था। हालात बमुरिक्ल काबू में आए थे। कलेक्टर और एसपी को दो बार मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालनी पड़ी थी। एसपी सम्मत उपाध्याय ने दोहराया कि किसी भी धार्मिक स्थल को नुकसान नहीं पहुंचा है और पर्याप्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।



जनजीवन पटरी पर लौटने लगा

घटना के तीसरे दिन शनिवार सुबह से जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य होता दिखाई दिया। लोग अपने रोजमर्रा के कामों के लिए घरों से निकलने लगे। आधे से अधिक बाजार खुल गए, हालांकि ग्राहक संख्या अभी भी कम है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कई थानों की पुलिस, सीएसपी और टीआई स्तर के अधिकारी पूरे सिहोरा कस्बे में तैनात हैं। हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

दहशत के साए में हुई परीक्षाएं

तनाव के बीच कक्षा 5वीं और 8वीं की परीक्षाएं भी आयोजित हुईं। शासकीय कन्या शाला और सीएम राज्ञन स्कूल में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। मुख्य मार्ग बस स्टैंड से होकर गुजरता है, जहां विवाद और हंगामा हुआ था। ऐसे में अभिभावकों को बच्चों को कई किलोमीटर बाइपास मार्ग से घुमाकर परीक्षा केंद्र तक पहुंचाना पड़ा।

परीक्षा में 450 बच्चे अनुपस्थित

छात्रों ने दहशत के माहौल में परीक्षा दी। कुल 30 परीक्षा केंद्रों पर 6371 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 5886 छात्रों ने परीक्षा

दी, जबकि 450 से अधिक विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। कक्षा 5 के हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों की अंग्रेजी और अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की हिंदी परीक्षा आयोजित हुई।

व्यापार पर पड़ा सबसे ज्यादा असर

स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि दो दिन की बंदी और भय के कारण कारोबार पर बुरा असर पड़ा है। हालांकि प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही हालात पूरी तरह सामान्य होंगे। फिलहाल सिहोरा में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन पुलिस और प्रशासन पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। नागरिकों से शांति बनाए रखने और अफवाहों से दूर रहने की अपील की गई है।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में फ्लैग मार्च

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सम्मत उपाध्याय के नेतृत्व में शुक्रवार देर रात निकाले गए फ्लैग मार्च में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता, एसपी जैन-3 सूर्यकांत शर्मा, यातायात एसपी अंजना तिवारी, एसडीओपी सिहोरा, पाटन सहित जिले भर के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। फ्लैग मार्च सिहोरा के संवेदनशील क्षेत्रों से गुजरा। अधिकारियों ने आम नागरिकों से शांति और एकता बनाए रखने की अपील की तथा अफवाहों से दूर रहने की कहा।

हाईकोर्ट ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रशासन से पूछा

महिला प्राध्यापक की शिकायत पर की गई जांच की रिपोर्ट उसे क्यों नहीं दी

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय प्रशासन से पूछा है कि महिला प्राध्यापक की शिकायत पर की गई जांच की रिपोर्ट उसे क्यों नहीं दी गई। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने जेएनकेविपि के रजिस्ट्रार, हॉर्टिकल्चर कॉलेज छिंदवाड़ा के डीन, कृषि विज्ञान केन्द्र मिश्रा साईंटिस्ट, एसपी छिंदवाड़ा व अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

छिंदवाड़ा निवासी पीड़िता की ओर से अधिवक्ता मनीष वर्मा एवं विनोद सिसोदिया ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि हॉर्टिकल्चर कॉलेज छिंदवाड़ा के डीन डॉ आरसी



शर्मा ने पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न किया था। इस मामले में आईजी, एसपी सहित कई मंचों पर शिकायत की गई राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग में भी शिकायत की गई। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम के तहत कृषि विश्वविद्यालय ने एक कमेटी बना कर जांच कराई गई। दलील दी गई कि उक्त अधिनियम के तहत कमेटी में महिला का होना जरूरी है, जबकि उक्त समिति में पुरुष अधिकारी को हेड बनाया गया था। कमेटी ने 8 अक्टूबर 2025 को जांच की थी, लेकिन अभी तक पीड़िता को उसकी रिपोर्ट नहीं दी गई। इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई।

हाईकोर्ट की पहल : अवकाश के दिन न्यायपालिका के कर्मचारियों के निपटाए विवाद

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा की पहल पर अवकाश के दिन जिला न्यायपालिका और उच्च न्यायालय के कर्मचारियों के सेवा-संबंधी विवादों को आपसी सहमति से निपटाने के उद्देश्य से मध्यस्थता प्रक्रिया का शुभारंभ किया गया है। प्रशासनिक न्यायमूर्ति विवेक रूसिया तथा जस्टिस विवेक अग्रवाल के निर्देशन में शनिवार को उच्च न्यायालय परिसर के साउथ हॉल में एक विशेष मध्यस्थता सत्र

का आयोजन किया गया। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न इस सत्र में कुल 43 प्रकरण प्रस्तुत किए गए।जिनमें से 25 मामलों का संवाद एवं सहमति के आधार पर तत्काल निराकरण किया गया। इस दौरान स्थानीय के अलावा विभिन्न जिलों में पदस्थ कर्मचारियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रभावी रूप से भाग लिया। वर्ष 2005 एवं 2010 से लंबित प्रकरणों का भी सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इस दौरान रजिस्ट्रार

जनरल धरमिंदर सिंह सहित अन्य रजिस्ट्रार उपस्थित रहे। साथ ही हाई कोर्ट पैनल के वरिष्ठ अधिकतागण आदित्य अधिकारी, अनूप नायर, बीएन मिश्रा,अमृत रूपराह, आकाश चौधरी, सिद्धार्थ सेठ, केएन फखरुद्दीन, संदीप के शुक्ला, राजेन्द्र सेन, पराग तिवारी, मिहिर अग्रवाल, संपत कुशवाहा, श्रीमती नीलम गोयल, अभिषेक अजायिया, अंजली पटेल, विवेकानंद अवस्थी एवं राहुल चौबे का सक्रिय सहयोग रहा।

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक हरि ओम शर्मा को निर्देशा

अदालत में हाजिर होकर बताएं झूठा हलफनामा क्यों पेश किया

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक हरि ओम शर्मा को निर्देश दिए हैं कि वे व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर यह स्पष्टीकरण दें कि उन्होंने अदालत में झूठा हलफनामा क्यों पेश किया। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने महाप्रबंधक को 23 फरवरी को उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। यह मामला भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 के समीप चल रहे मेट्रो

निर्माण कार्य के कारण उत्पन्न अवरोध एवं बैरिकेडिंग से संबंधित है। भोपाल निवासी श्रीनिवास अग्रवाल व अन्य की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि मेट्रो प्रबंधन ने फेंसिंग और बैरिकेडिंग पूरी तरह से नहीं हटाई है। इससे आवागमन में दिक्कत हो रही है। इस पर मेट्रो रेल प्रशासन की ओर से हलफनामे में कहा गया कि बैरिकेडिंग हटा दी गई है। इस पर हाईकोर्ट ने कलेक्टर से रिपोर्ट

मांगी थी। कलेक्टर भोपाल द्वारा किए गए स्थल निरीक्षण के आधार पर रिपोर्ट में बताया गया कि याचिकाकर्ताओं को मात्र लगभग 3175 फीट का संकरा मार्ग उपलब्ध कराया गया है, जो व्यवहारिक उपयोग हेतु पर्याप्त नहीं है। यह भी बताया गया कि तीनों ओर की बैरिकेडिंग हटाई नहीं गई है, जबकि महाप्रबंधक द्वारा न्यायालय में प्रस्तुत शपथपत्र में यह उल्लेख किया गया था कि बैरिकेडिंग पूर्णतः हटा दी गई है।

स्वच्छता ही सेवा’: निगमायुक्त सड़कों पर उतरे, सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण



जबलपुर। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से जबलपुर नगर निगम के निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज सुबह विभिन्न क्षेत्रों का सघन दौरा कर सफाई व्यवस्थाओं का जमीनी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने रामपुर एवं गोरखपुर के रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों में कचरा संग्रहण व्यवस्था का जायजा लिया। मेडिकल क्षेत्र में अस्पतालों के आसपास चल रहे विशेष सफाई अभियान की समीक्षा की। साथ ही अंधकू बायपास एवं धनवंतरी नगर में मुख्य सड़कों और डिवाइडरों की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कचरा वाहनों की समय पर उपस्थिति, सार्वजनिक डस्टबिनों की नियमित सफाई एवं खाली कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को भी जागरूक किया जाए, ताकि वे कचरा सड़कों पर न फेंककर सीधे कचरा गाड़ियों में ही डालें। इस दौरान अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक संतोष महोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल के पुतले को लेकर गहमागहमी

पुलिस छावनी में तब्दील रहा बलदेवबाग इलाका



जबलपुर। शनिवार को दोपहर के वक्त बलदेवबाग से आगाचोक तक उस समय सनसनी फैल गई, जब पुलिस ने मार्ग को चारों तरफ से घेर लिया और रास्ते सील कर दिये। एसडीएम सहित तहसीलदार, सीएसपी व तीन थानों के प्रभारी और भारी पुलिस बल तैनात था। इस बीच काफी गहमागहमी का माहौल बना रहा। दरअसल यहां भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा दिल्ली में एआई समिट के दौरान युवक कांग्रेस द्वारा

अर्धनग्न होकर किये गये प्रदर्शन के खिलाफ राहुल गांधी का पुतला जलाने की घोषणा की गई थी। चूंकि बलदेवबाग में कांग्रेस कार्यालय है लिहाजा मामला राजनीतिक संवेदनशीलता से जुड़ गया। पूर्व में कांग्रेस कार्यालय में हुई तोड़फोड़ की घटना को ध्यान में रखकर प्रशासन ने पूरी सतर्कता रखी। क्षेत्र को पुलिस छावनी में बदल दिया। शाम 5 बजे कांग्रेस भाजपा कार्यकर्ता एकत्रित हुये। दोनों तरफ से नारेबाजी हुई।

पुलिस के पहरे में बलदेवबाग चौराहे पर युवा मोर्चा ने राहुल गांधी का पुतला जलाया। भाजपा के तरफ से भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेस सोनकर, युवा मोर्चा अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ठाकुर, अंकित पाठक, रौनक आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 207 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 35 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी तथा 3 व्यक्तियों के विरूद्ध 25 आम्रस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 3 चाकू जप्त किये।

जस्टिस एनके मोदी निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

जबलपुर। आगामी स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के चुनाव में जस्टिस एनके मोदी को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने आदेश जारी कर दिए हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई को 30 अप्रैल 2026 तक स्टेट बार के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे। ये चुनाव जस्टिस आरएस उड्डा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय कमेटी की निगरानी में संपन्न होगा।

समय पर टैक्स जमा कर शहर विकास में सहभागी बनने की अपील नगर निगम का राजस्व वसूली अभियान तेज

जबलपुर। जबलपुर नगर निगम ने राजस्व वसूली अभियान में तेजी ला दी है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्तुने शहर के सभी सम्माननीय नागरिकों और करदाताओं से अपील की है कि वे अपने बकाया करों का समय पर भुगतान कर शहर विकास में सहभागी बनें।

महापौर ने समीक्षा बैठक में कहा कि बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल, कचरा प्रबंधन और आधुनिक अधोसंरचना के लिए पर्याप्त राजस्व आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से सम्पत्तिकर, जलकर, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण शुल्क, किराया, लीज एवं अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) शुल्क सहित सभी प्रकार के निगम कर शीघ्र जमा करने का आग्रह किया।

महापौर ने राजस्व वसूली अभियान की समीक्षा करते हुए राजस्व अमले को पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक वसूली का लक्ष्य दिया है। उन्होंने निर्देश दिए



कि यह वसूली के लिए उपयुक्त समय है, इसलिए अधिकारी-कर्मचारी घर-घर जाकर करदाताओं से संपर्क करें और बकाया राशि जमा कराएं। बैठक में महापौर ने घोषणा की कि लक्ष्य से अधिक वसूली करने वाले अमले को पुरस्कृत किया जाएगा, जबकि कम वसूली करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

1 लाख से अधिक बकायेदारों पर कुर्की की सख्त कार्रवाई

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने 16 संभागों के 79 वार्डों में चिन्हित एक लाख रुपये से अधिक के बकायेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि संबंधित बकायेदारों से बार-बार संपर्क के बावजूद यदि कर जमा नहीं किया जाता है तो कुर्की की कार्रवाई की जाए और उनके नाम सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही दैनिक समाचार पत्रों में भी प्रकाशन कराया जाएगा। बैठक में राजस्व थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सक्ती मोहल्ला निवासी 23 वर्षीय अरविंद चक्रवर्ती की सौरभ कुचबंधिया से लगभग एक साल से मित्रता थी। कल रात 8 बजे सौरभ ने अरविंद को फोन किया और बोला की तुमसे लड़ाई करना है, कहा हो। उसने कहा खितौला बाजार में हैं। इसी बीच सौरभ कुचबंधिया और गुरुकुचबंधिया पहुंचे और गाली गलौच कर मारपीट करने लगे। आकाश बिरहा ने बीच बचाव किया। इस मारपीट में आकाश भी घायल हो गया। चाकू के वार से अरविंद चक्रवर्ती को गंभीर चोट आई। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 296(ए), 115(2), 109(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।

प्रेम विवाह से नाराज पिता ने बेटी पर किया हमला

जबलपुर। गोरखपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत वंशकार मोहल्ले में देर रात एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां प्रेम विवाह से नाराज पिता ने अपनी ही बेटी पर बांस छीलने वाली ‘बाकी’ से हमला कर दिया। घायल युवती ने थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। गोरखपुर पुलिस थाना से प्राप्त जानकारी अनुसार वंशकार मोहल्ला निवासी आरती वंशकार बांस की टोकरी बनाने का कार्य करती है। उसने करीब एक सप्ताह पूर्व अमित वंशकार से अपनी पसंद से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद 18 फरवरी को वह अपने पिता मुकेश वंशकार के घर आई थी। शुक्रवार शाम वह घर पर मौजूद थी, तभी उसके पिता

मुकेश वंशकार प्रेम विवाह को लेकर उससे नाराजगी जताने लगे। इसी बात को लेकर उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब आरती ने उन्हें गालियां देने से मना किया तो पिता का गुस्सा बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान मुकेश वंशकार ने बांस छीलने में उपयोग होने वाली ‘बाकी’ से उस पर हमला कर दिया। वार से आरती की हाथ की कलाई में चोट आई। घटना के बाद आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। घायल युवती ने साहस दिखाते हुए गोरखपुर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दोस्त ने फोन कर पूछा कहां हो आकर मार दी चाकू

जबलपुर। खितौला थाना अंतर्गत बाजार में एक युवक को बदमाश ने पहले फोन किया और बोला आज तुमसे लड़ाई करना तुम कहा हो, उसने कहा बाजार में, इसी बीच आरोपी बाजार पहुंचे और गालीगलौच कर उसके साथ मारपीट की और चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। बताया गया है कि घायल युवक की आरोपी से एक साल पुरानी मित्रता थी। खितौला पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सक्ती मोहल्ला निवासी 23 वर्षीय अरविंद चक्रवर्ती की सौरभ कुचबंधिया से लगभग एक साल से मित्रता थी। कल रात 8 बजे सौरभ ने अरविंद को फोन किया और बोला की तुमसे लड़ाई करना है, कहा हो। उसने कहा खितौला बाजार में हैं। इसी बीच सौरभ कुचबंधिया और गुरुकुचबंधिया पहुंचे और गाली गलौच कर मारपीट करने लगे। आकाश बिरहा ने बीच बचाव किया। इस मारपीट में आकाश भी घायल हो गया। चाकू के वार से अरविंद चक्रवर्ती को गंभीर चोट आई। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 296(ए), 115(2), 109(1), 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है।



श्रीराम मंदिर खैरी शहपुरा भिटौनी में हुई पांचवे दिन की श्रीमद् भागवत महापुराण कथा में बोले जगतगुरु नरसिंह देवाचार्य महाराज

भक्ति में विश्वास सर्वोपरि

जबलपुर, शहपुरा। “भक्त का भगवान पर पूर्ण विश्वास अति आवश्यक है, क्योंकि विश्वास रूपी ईंट जितनी मजबूत होगी हमारे संबंधों की दीवार उतनी ही टिकाऊ बन पायेगी। संबंधों की मजबूती के लिए परस्पर विश्वास प्रथम आवश्यकता है। अविश्वास प्रेम को चोट पहुंचाता है, जिससे परस्पर संबंधों की मजबूत दीवारों में भी दरारें आ जाती हैं। विश्वास ही संबंधों को प्रेममय बनाने का आधार है। जब प्रत्येक बात का मूल्यांकन स्वयं के नजरिए से किया जाता है, तो वहाँ अविश्वास उत्पन्न होना स्वाभाविक है। यह आवश्यक नहीं कि हर बार हमारे मूल्यांकन का दृष्टिकोण सही हो, इसलिए संबंधों की मजबूती के लिए अपने दृष्टिकोण के साथ-



साथ दूसरों की भावनाओं तक पहुंचने का गुण भी हमारे भीतर अवश्य होना चाहिए। संबंध जोड़ना महत्वपूर्ण नहीं अपितु कृष्ण ने विश्वास से ही आदर्श का जुड़ना संयोग हो सकता है पर

संबंधों को निभाना भी जीवन की एक साधना है। संबंधों की इमारत का निर्माण 'विश्वास रूपी ईंट' से किया जाना श्रेष्ठकर है। श्री राधे कृष्ण ने विश्वास से ही आदर्श स्थापित किया है। ईश्वर पर विश्वास

करने से ही भक्त के सभी कष्टों और दुख दर्द दूर हो जाते हैं।” उक्त विचार श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ के पंचम दिवस श्रीराम मंदिर खैरी शहपुरा भिटौनी में पूज्य जगद्गुरु नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नृसिंहदेवाचार्य महाराज ने व्यास पीठ से व्यक्त किए।

व्यास पीठ पूजन मुख्य यजमान सुभाष सिंह गौर व कृपाल सिंह गौर, राजेश सिंह गौर, कृष्णपाल सिंह गौर, जयपाल सिंह गौर, अनुपाल सिंह गौर, शैलेन्द्र सिंह गौर, रोहित सिंह गौर, अजय सिंह गौर, डॉ. दीपक सिंह गौर, विक्रम सिंह गौर, आदित्य सिंह गौर, अभिराज सिंह गौर, युवराज सिंह गौर, अमित टेहनगुनिया एवं आचार्य रामफल शास्त्री की उपस्थिति में किया गया।

आदित्य गुरु बने जिला संगठन मंत्री, ब्राह्मण समाज में हर्ष

पाटन। अखंड ब्राह्मण महासभा में पाटन निवासी पंडित आदित्य गुरु को जिला संगठन मंत्री नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष रुद्रनाथ शुक्ला एवं राष्ट्रीय महासचिव हीराकांत महाराज द्वारा संस्थापक अध्यक्ष पंडित जगदीश प्रसाद दुबे की अनुशंसा पर की गई। पंडित आदित्य गुरु पाटन के प्रतिष्ठित गुरु परिवार से संबंध रखते हैं। वे पाटन विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक स्व. पंडित भगवत प्रसाद गुरु के नाती एवं पूर्व नगर परिषद पाटन अध्यक्ष पंडित संजय गुरु के सुपुत्र हैं। समाज के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और निस्वार्थ सेवा को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति से नगर एवं आसपास के ब्राह्मण समाज में खुशी का माहौल है। समाजजनों ने इसे युवा नेतृत्व को मजबूती देने वाला कदम बताते हुए आदित्य गुरु को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।



19 दिनों से जारी धरना: भुगतान न मिलने से 315 किसान परेशान

मझौली

क्षेत्र में कथित धान खरीदी धन घोटाले को लेकर किसानों का धरना प्रदर्शन लगातार 19वें दिन भी जारी रहा। भारतीय किसान संघ के बैनर तले 3 फरवरी 2026 से शुरू हुआ धरना-अनशन अब उग्र रूप लेता जा रहा है। किसानों का आरोप है कि योजना में वित्तीय अनियमितताओं के कारण उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ, लेकिन अब तक दोषियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। किसान नेताओं के अनुसार 5 फरवरी को क्षेत्रीय विधायक धरना स्थल पहुंचे थे। 6 फरवरी को विधायक के साथ कलेक्टर की बैठक हुई और आश्वासन दिया गया। इसके बाद जिला खाद्य आपूर्ति विभाग के अधिकारी प्रमोद



मिश्रा ने मझौली पहुंचकर किसानों से चर्चा की और बताया कि 14,905 विवंटल धान श्री जी वेयरहाउस में कम पाई गई है। जांच के

बाद भुगतान का भरोसा दिया गया, पर अब तक समाधान नहीं हुआ। किसानों का कहना है कि 315 किसानों का भुगतान लंबित है।

परीक्षा परिणामों में लगातार देरी, व्यवस्थाएं टप

एनएसयूआई ने उच्च शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन, विश्वविद्यालय में पारदर्शिता और छात्र हितों की रक्षा की मांग

जबलपुर।

राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के पदाधिकारियों ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं, परीक्षा परिणामों में लगातार देरी और छात्रहितों की अनदेखी के विरोध में उच्च शिक्षा मंत्री इंंदर सिंह परमार को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर परीक्षाएं आयोजित नहीं हो रही और घोषित परिणामों में लगातार गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। छात्रनेता अनुराग शुक्ला और शफी खान ने बताया कि हाल ही में घोषित एमबीए



परीक्षा परिणामों में बड़ी संख्या में छात्रों को अनुत्तीर्ण कर दिया गया, जिससे विद्यार्थियों में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले

एक वर्ष में विभिन्न परीक्षा परिणामों में त्रुटियां सामने आई हैं, लेकिन सुधार के ठोस कदम नहीं उठाए गए। छात्रावासों की बदहाल स्थिति

पर भी एनएसयूआई ने चिंता जताई। संगठन के अनुसार भवन जर्जर हैं, कमरों की छतों का प्लास्टर झड़ रहा है, सरिया बाहर निकल आए हैं, शौचालयों की नियमित सफाई नहीं हो रही और वाटर कूलर खराब पड़े हैं। दो वर्षों से सुरक्षा गार्ड न होने से छात्र-छात्राएं असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एनएसयूआई ने 9 वर्षों से लंबित छात्रसंघ चुनाव शीघ्र कराने की मांग भी उठाई। संगठन का कहना है कि छात्रसंघ चुनाव नेतृत्व क्षमता और छात्र अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। ज्ञापन सौंपते समय युग ठाकुर, अनिकेत तिवारी, राजीव श्रीवास्तव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महानगर के 1041 बूथों पर सुना जाएगा ‘मन की बात’ कार्यक्रम

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के कार्यकर्ता रविवार 22 फरवरी को प्रातः 11 बजे शहर के सभी 1041 बूथों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुनेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया कि मध्यप्रदेश के लोकनिर्माण मंत्री राकेश सिंह पश्चिम विधानसभा के बाबूराव परांजपे वार्ड स्थित बूथ क्रमांक 276 (राँबिन जग्गी निवास) पर कार्यक्रम सुनेंगे। वहीं जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर एवं महापौर जगतबहादुर सिंह ‘अन्नू’ पूर्व विधानसभा के छात्रनेता मंडल अंतर्गत द्वारकानगर

बूथ क्रमांक 180 (मंटू शर्मा निवास) पर मौजूद रहेंगे। प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन दीनदयाल मंडल में, विधायक अभिलाष पांडे विवेकानंद मंडल अंतर्गत सुभद्राकुमारी चौहान वार्ड के बूथ क्रमांक 198 (रवि पटेल निवास) पर कार्यक्रम सुनेंगे। महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में कार्यकर्ताओं के साथ ‘मन की बात’ सुनेंगी। जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथों पर आमजन के साथ कार्यक्रम सुनने की अपील की है।

आचार्यश्री विद्यासागर कप जैन प्रीमियर लीग: 11वां दिन रोमांच से भरपूर, सुपर-16 का आगाज़

जबलपुर

आचार्य श्री विद्यासागर कप जैन प्रीमियर लीग के 11वें दिन से सुपर-16 चरण की शुरुआत हुई। दिन भर खेले गए चार रोमांचक मुकाबलों ने क्रिकेट प्रेमियों को उत्साह से भर दिया। मुख्य अतिथि आईएस जतिन जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन इंदौर के महासचिव विनय जैन, महाकोशल-विंध्य रीजन अध्यक्ष सीए मनोज जैन तथा निकिता दुबे राय सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। सोशल ग्रुप के पदाधिकारी प्रफुल्ल जैन, प्रदीप जैन, आलोक जैन, हेमंत जैन, सुनील जैन, संजय चौधरी जैन, पवन जैन, प्रदीप बैटिया, पंकज जैन, सोनू जैन, अभिषेक जैन, सनद जैन, अतुल जैन, अंकित जैन, राविव जैन, आनंद जैन, अभिलाष जैन, डॉ. कीर्ति जैन एवं दिनेश जैन भी मौजूद रहे। मैदान पर खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और टीमवर्क



का शानदार प्रदर्शन किया। कई मुकाबले अंतिम ओवर तक पहुंचे, जिससे दर्शकों में रोमांच चरम पर रहा। बेहतरीन बल्लेबाजी, कसी हुई गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग ने लीग की प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत किया। आचार्य श्री विद्यासागर कप जैन प्रीमियर लीग

केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि समाज में एकता, अनुशासन और सौहार्द का संदेश देने का माध्यम भी बन रही है। आगामी मुकाबलों में भी इसी तरह के रोमांचक खेल की उम्मीद जताई जा रही है।

मूल्यांकन कार्य में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: जिला शिक्षा अधिकारी



जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं के अंतर्गत कक्षा 12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का प्रथम चरण मूल्यांकन 22 फरवरी (रविवार) से प्रारंभ होगा। इसके पूर्व 21 फरवरी 2026 को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 184 मूल्यांकनकर्ताओं का व्यापक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी धनश्याम सोनी ने प्रशिक्षण की संबोधित करते हुए कहा कि मूल्यांकन कार्य अत्यंत जिम्मेदारीपूर्ण है और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रथम चरण में अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र एवं विज्ञान के तत्व विषयों की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने

बताया कि इस वर्ष मूल्यांकनकर्ताओं की उपस्थिति मंडल के अधिकृत मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज होगी तथा प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को न्यूनतम 45 उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना अनिवार्य रहेगा। साथ ही निर्धारित समय-सीमा में निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन करते हुए अंकों की ऑनलाइन फीडिंग तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा अधिकारी ने चेतावनी दी कि त्रुटिपूर्ण मूल्यांकन पर मंडल द्वारा 100 प्रति अंक तथा 1000 प्रति प्रकरण तक आर्थिक दंड सहित आवश्यकतानुसार विभागीय जांच की कार्रवाई की जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान मूल्यांकन केंद्र के प्रेक्षक राममोहन तिवारी ने पूर्ण निष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया और मूल्यांकन कक्ष में मोबाइल उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहने की जानकारी दी। परीक्षा प्रमारी एवं सहायक संचालक राजकुमार बधान ने मूल्यांकन ऐप की कार्यणाली समझाते हुए तकनीकी मार्गदर्शन दिया। मूल्यांकन केंद्र अधिकारी एवं प्राचार्य श्रीमती रुक्मिणी कनोजिया ने बताया कि प्रथम चरण में लगभग 100 मूल्यांकनकर्ता प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:30 बजे तक कार्य करेंगे। कार्यक्रम में एसएलबी, स्कूल की प्राचार्य श्रीमती प्रमा मिश्रा, विधि प्रमारी कृष्णकांत शर्मा, मास्टर ट्रेनर्स एवं जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए मूल्यांकनकर्ता उपस्थित रहे।

नाम व पता सुधार

में शपथकर्ता, 15106705K, Rank- Ex. TS/MK, Name- Lok Singh Singh, उम्र लगभग 58 वर्ष, पिता Late Bhim Singh Singh, पता- H.No. 148, Umaria, New Ward No. 79, Pipariya, PS- Khamarla, Dist- Jabalpur, M.P. 482005 शपथ पूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूं- यह कि, मैं शपथकर्ता उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूं। यह कि मैं शपथकर्ता भारतीय थल सेना से दिनांक 01/08/2003, SQD- 177/59 को सेवानिवृत्त हुआ हूं। यह कि मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम Lok Singh एवं मेरा पिता का नाम Bhim Singh दर्ज है जिसमें मेरे एवं मेरे पिता का सस्नेम Soni दर्ज नहीं है। तथा मेरा पुराना पता- Katanggar, Umaria, Khamarla, Jabalpur, दर्ज है। यह कि मेरे आधारकार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक के पासबुक में मेरा नाम Lok Singh Soni एवं मेरे पिता का नाम Bhim Singh Soni तथा मेरा पता- H.No. 148, Umaria, New Ward No. 79, Pipariya, PS- Khamarla Dist- Jabalpur, M.P. 482005 दर्ज है जो कि सत्य व सही है। यह कि Lok Singh एवं Lok Singh Soni ये दोनों ही नाम मेरे ही हैं, तथा Bhim Singh एवं Bhim Singh Soni ये दोनों ही नाम मेरे पिता के ही हैं, किसी अन्य व्यक्ति के नहीं हैं। यह कि मेरे सर्विस रिकॉर्ड में मेरा पूरा व सही नाम Lok Singh तथा मेरे पिता का पूरा व सही नाम Bhim Singh तथा मेरा पता- H.No. 148, Umaria, New Ward No. 79, Pipariya, PS- Khamarla Dist- Jabalpur, M.P. 482005 दर्ज किया जाये। अतः यद्यपि मैं मुझे Lok Singh Soni तथा मेरे पिता का पूरा व सही नाम Bhim Singh Soni से नाम से जाना- पहचाना, चढ़ा- लिखा व समझा जावे। इस हेतु शपथपत्र प्रस्तुत है।



मप्र भोज मुक्त विध्वविद्यालय एवं भारतीय शिक्षण मंडल की आनंदशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

भारत में हर क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। 2047 तक भारत को विकसित अर्थव्यवस्था बनाना है। इसके लिए हर क्षेत्र में परिवर्तन की आवश्यकता है। भारतीयता के भाव का उद्घोष होता रहे इसके लिए तंत्र और पद्धति विकसित करने की आवश्यकता है।

यह बात श्री इंद्र सिंह परमार, मंत्री, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग ने कही। वे विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक -2025 विषय पर आयोजित आनन्दशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस एक दिवसीय आनंदशाला का आयोजन मप्र भोज मुक्त विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। मंत्री परमार ने आगे कहा कि इस आनन्दशाला में कुलगुरुओं और शिक्षाविदों के विमर्श से ज्यादा तथ्यात्मक सुझाव निकलेंगे। उन्होंने कहा कि 2047 में विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को देखते हुए परिवर्तन हो रहे हैं। यह बदलाव केवल शिक्षा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में हो रहे हैं। जहां- जहां भी गुलामी के चिन्ह हैं, उन्हें विदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत के तंत्र को समझने के लिए भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतीय दर्शन को ठीक से समझना और इसी के अनुसार आगे बढ़ना होगा। आनंदशाला के प्रारंभ में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. मिलिंद दांडेकर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों में यूजीसी ने अपनी यात्रा की है। भारत सरकार ने यूजीसी,

दो आरोपी अब भी फरार, तीन हजार एवं मोबाइल जब्त हिंगलाजिन गिरोला मंदिर में चोरी का एक आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़►►जगदलपुर

सितंबर 2025 में बकावंड स्थित हिंगलाजिन गिरोला मंदिर में चोरी की घटना हुई थी। इस घटना में आरोपी माता के पहने हुए हार व कुछ जेवरात चुराकर फरार हो गए थे। पुलिस की टीम लगातार ओडिशा में नजर बनाए हुए थी। इसी मामले से जुड़े एक आरोपी को शिनाख्त कर उस गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने आरोपी के पास से तीन हजार रुपये और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। वहीं, इस मामले में फरार दो आरोपियों की तलाश की जा रही है। बताया जा रहा है कि 7-8 सितंबर 2025 की रात 10 बजे से सुबह छह बजे के बीच चोरों ने गिरोला गांव स्थित हिंगलाजिन माता मंदिर से माता के गले में पहने दो सोने के हार, एक सोने की नथनी और एक छोटा चांदी का मुकुट चुरा लिया था। पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। आरोपियों की सूचना देने वाले को इनाम देने की भी घोषणा की गई थी।

चार माह तक चला अभियान, कुल 1,87,30,914 मतदाता पंजीकृत छग में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन आखिरकार पूरा हुआ

» **27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुआ था यह भव्य अभियान**

हरिभूमि न्यूज़►►रायपुर

अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर छत्तीसगढ़ में निर्वाचक नामावलीकरण का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूर्ण कर लिया गया है। चार महिने तक चले इस व्यापक अभियान के बाद 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया। अंतिम प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में कुल 1,87,30,914 मतदाता पंजीकृत हैं। यह अभियान 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुआ था। प्रारूप प्रकाशन के बाद दावे और आपत्तियां 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक स्वीकार किए गए, जिनका निवारण 14 फरवरी 2026 तक किया गया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी यशवंत कुमार ने अभियान में सहयोग देने वाले मतदाताओं, निर्वाचन अधिकारियों, कर्मचारियों, राजनीतिक दलों और मीडिया का आभार जताया। अभियान के दौरान राज्यभर में 27,196 बूथ लेवल अधिकारियों ने घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित किए और मतदाताओं के सत्यापन व मैपिंग का कार्य पूरा किया। कुल 2,12,30,737 मतदाताओं में से 1,84,95,920 से गणना फॉर्म प्राप्त कर उनका डिजिटलीकरण किया गया। सर्वे के दौरान मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियों वाले नामों की पहचान की गई। प्रारूप सूची से पहले प्रदेश में 2,12,30,737 मतदाता दर्ज थे। प्रारूप प्रकाशन के बाद वह संख्या 1,84,95,920 रही, जबकि अंतिम प्रकाशन के बाद कुल 1,87,30,914 मतदाता पंजीकृत हुए।

भारतीयता के भाव का उद्घोष होता रहे, इसके लिए तंत्र-पद्धति विकसित करना आवश्यक: मंत्री परमार



एआईसीटीई आदि संस्थाओं को एकीकृत करने का लक्ष्य इस विधेयक में रखा है। आनंदशाला में शिक्षाविदों के चिंतन मनन का सार जेपीसी को भेजा जाएगा। बीज वक्ता एवं भारतीय शिक्षण मंडल के उच्च शिक्षा गतिविधि अखिल भारतीय सह प्रमुख श्री विश्वजीत पेंडसे ने पीपीटी के माध्यम से विधेयक को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि विकसित समाज से ही विकसित भारत का निर्माण होगा। इसीलिए विकसित समाज हमारा लक्ष्य है। देश के लिए पीढ़ी का निर्माण करना होगा जिससे वे देश को विकसित बना सके। इस दृष्टि से हम इस विधेयक पर विचार विमर्श कर अपने सुझाव देंगे। विशिष्ट

अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल के मध्य क्षेत्र संयोजक प्रो. लक्ष्मीकांत त्रिपाठी ने कहा कि समाज की विकृतियों को दूर करना है तो भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे लाना होगा। इस बिल के माध्यम से स्वायत्तता बढ़ेगी। भारतीय शिक्षण मंडल एक विचार प्रवाह है। हम शिक्षा में जो भी परिवर्तन चाहते हैं, इसके सुझाव सरकार को देने वाले हैं। कार्यक्रम के अंत में मध्य भारत प्रान्त, भारतीय शिक्षण मंडल के प्रांत अध्यक्ष प्रो हरिहर बसंत गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ अनिल पाठक ओ एस दी, उच्च शिक्षा एवं डॉ सुशील मंडेरिया भी उपस्थित रहे ।

थिंक गैस ने तेजी से बहाल की सिटी गैस सप्लाई

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

शाहपुरा स्थित शैतान सिंह चौराहा, बीकानेर स्वीट्स के पास सीवेज पाइपलाइन ठेकेदारा द्वारा बिना पूर्व सूचना के की जा रही खुदाई के दौरान थिंक गैस की एक पाइपलाइन को गलती से नुकसान पहुंचा दिया गया। थिंक गैस की इमरजेंसी रिसपांस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए प्रभावित हिस्से को अलग किया और कम समय में गैस सप्लाई बहाल कर दी। इससे आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और उपभोक्ताओं को कम से कम असुविधा हुई। पाइपलाइन मार्ग पर स्पष्ट रूट मार्कर्स, चेतावनी बोर्ड

और इमरजेंसी कांटेक्ट बोर्ड्स लगे होने के बावजूद संबंधित ठेकेदार ने खुदाई शुरू करने से पहले कंपनी को सूचित नहीं किया और घटना के बाद भी कोई रिपोर्ट जमा नहीं की। सरकारी नियमों के अनुसार, कोई भी तीसरा पक्ष यदि खुदाई कार्य करने की योजना बनाता है, तो उसे 'डायल बिफोर यू डिग' नंबर के माध्यम से नगर निगम या सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को पूर्व सूचना देना अनिवार्य है। इस घटना की पूर्व जानकारी कंपनी को नहीं दी गई थी, जिसके चलते थिंक गैस ने जिम्मेदार पक्ष के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री भूरिया ने जाईनिंग तिथि बढ़ाने के दिए दिशा-निर्देश

हरिभूमि न्यूज़►►भोपाल

महिला एवं बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा 2024 में चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग प्रक्रिया में आ रही व्यवहारिक कठिनाइयों के समाधान के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है।

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने ज्वाइनिंग को अंतिम तिथि बढ़ाने एवं स्वास्थ्य प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में व्यावहारिक लचीलापन देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए हैं। विभागकी ओर से चयनित पर्यवेक्षकों को 23 फरवरी तक ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए थे। आदेशानुसार ज्वाइनिंग से पूर्व मेडिकल बोर्ड से जारी स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया गया था। किंतु विभिन्न जिलों से अभ्यर्थियों द्वारा अवगत कराया गया कि मेडिकल बोर्ड सप्ताह में केवल एक दिन

संचालित होता है, जिससे निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण-पत्र प्राप्त करना कठिन हो रहा है। इस कारण अनेक चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग में व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

पश्चिम मध्य रेल				
सामग्री प्रबंधन विभाग				
(भंडार आवृत्ति हेतु ई- निविदा सूचना, संख्या / ईपीएस / 123 / 2025)				
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तालिखित / डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है ।				
क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	38264125	बोमी सेंटर पाइपेट टॉप फॉर Casnub 22HS बोगीज	1333 नंबर	11/03/2026
2	80261017	होलोड्रॉलिक आयल HLP-68 N	86940 लीटर	18/03/2026
3	20255025	सेट ऑफ spares फॉर CGL मैक IGBT टॉक्सिलिआरी कनवरट	01 सेट	18/03/2026
4	20254063	सेट ऑफ लॉक नट F.S. आल स्टील	247 सेट	20/03/2026
5	80261012	सर्वोपलेक्स SHC-120 (IOCL) ग्रीज	23522 किग्रा	31/03/2026
6	20254417	सेट ऑफ हैंगर लीवर पिस फॉर ब्रेक रिंगिंग	213 सेट	06/04/2026
7	50263054	लो मेटेन्रेस लीड एसिड सेलेंडरी सेल 2 वाट 80 AH	448 सेट	15/04/2026
50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।				
हस्ता. कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर				
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर				

कार्यालय संयुक्त संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश
जिला कार्यालय जबलपुर (म.प्र.)
क्रमांक JBPLP 14112519213/ दिनांक /20/FEB/2026
म.प्र. नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 29 (3) सहपठित म.प्र. भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 14(3) के अधीन दी गई अनुज्ञा में उपांतरण की दशा में आपत्तियों आमंत्रित करने हेतु
जनसामान्य की जानकारी हेतु एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/मेसर्स M/S Yug Associates Management Company 1. Smt- Anjali Ahuja W/o Shri Gurmukh Ahuja 2. Shri Akhli Chawla S/o Shri Harish Chand Chawla 3. Smt. Neelam Vindurani W/o Shri Pradeep Vindurani द्वारा नीचे दिये गये अभिन्यास में उपांतरण हेतु आवेदन किया है : (क) परियोजना का नाम – CITY PLAZA (ख) अवस्थिति (अवस्थिति/ग्राम का नाम एवं खसरा क्रमांक) पूर्व स्वीकृत ग्राम Gureya तह. Ranjhi व जिला Jabalpur की भूमि सर्व क्रमांक /खसरा क्रमांक 7/2, 7/3/1 (शामिल खसरा –2790 वर्ग फुट), 7/3/2 (शामिल खसरा 13001 व.फु.), 7/3/4, 8/2/1 (शामिल खसरा –21863 वर्ग फुट) कुल रकबा 0.4191 हेक्टेयर भूमि पर RESIDENTIAL, MULTIPLEX CUM SHOPPING विकास हेतु अनुमोदित अभिन्यास में संशोधित अभिन्यास का अनुमोदन चाहा गया है। (ग) विकास का प्रयोजन : RESIDENTIAL, MULTIPLEX CUM SHOPPING (घ) स्वीकृति क्रमांक JBPLP 17022253567 दिनांक 2025-05-11 पूर्व स्वीकृत अभिन्यास में यदि उपांतरण किया जाता है, तो उससे परियोजना से जुड़े व्यक्ति/संस्था के हित प्रभावित होने की संभावना है। कोई भी हितवद्ध व्यक्ति, उपांतरणों से संबंधित अपनी आपत्ति व सुझाव, इस सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में अथवा https://alpass.mpg.gov.in/Web/Objection.aspx?RefApp=KJ0x03Rt61940 पर प्रस्तुत कर सकेगा। पूर्व स्वीकृत अभिन्यास के ख्यरे तथा प्रस्तावित उपांतरित अभिन्यास का निरीक्षण हितवद्ध व्यक्ति द्वारा, उपरोक्त कार्यालय में कार्यालयीन समय के दौरान अथवा website https://alpass.mpg.gov.in/Web/ULogin.aspx पर किया जा सकता है।
संयुक्त संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश, जिला जबलपुर (म.प्र.)

 हिन्दुजा हाउसिंग फायनेंस लिमिटेड कारपोरेट कार्यालय: 167 - 169, ब्रिटीश तल, लिटिल माउंटमेट्रो स्टेशन, साईपेठ, चेन्नई - 600015 HOUSING FINANCE रीजनल ग्रॉंच ऑफिस: 101-बी, प्रथम तल एमआर के सिपिनेस पार्क वित्तिय नगर, ईंदौर (म.प्र.) 452010 Email - auction@hindujahousingfinance.com				
परिशिष्ट IV कब्जा नोटिस (अचल संपत्ति हेतु)				
जहां तक अकोहरताक्षरी के अधिकृत अधिकारी होने के नाते हिन्दुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (MHFL) के प्राधिकृत अधिकारी और प्रतिष्ठित परिसरमितियों के पुर्ननिर्माण और सुस्था इंटरेट एक्ट 2002 के प्रवर्तन के तहत और संरक्षण 13(12) के तहत (प्रदत्त) शक्तियों के प्रयोग में सुस्था इंटरेट (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाता है। उच्चारणकर्ताओं को कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी किए गए नोटिस उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लिखित राशि को चुकाने के लिए नीचे दिए गए निर्देशों का उल्लेख किया गया है उच्चारणकर्ता राशि को चुकाने में विफल रहा है, इस बात की जानकारी उच्चारणकर्ताओं, गारंटरो और आम जनता को दी गई है कि अकोहरताक्षरी ने संपत्ति के अधिकार में नीचे बर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है, जो उस पर प्रदान की गई शक्तियों के खंड (4) के अधीन है। उक्त अधिनियम के 13 सुस्था इंटरेट प्रवर्तन नियम 2002 के सह नियम (8) के साथ पढ़े जाते हैं। आम तौर पर जनता को इस बात के सावधान किया जाता है कि उच्चारकर्ता संपत्ति का सीढ़ा न करे और संपत्ति के साथ किसी भी सौदे के लिए एचएफएल के बदलाव का विषय होगा। राशि के अनुरार ब्याज के साथ यहां उल्लेख किया है।				
नाम और पता उच्चारकर्ता गारंटर / सहउच्चारकर्ता	दिनांड नोटिस तिथि देय राशि	सुरक्षित संपत्ति का विवरण	कब्जा तारीख एवं प्रकार	
MP/JBR/JBLP/A000000750 श्री अखिलेश द्विवेदी श्री अखिलेश द्विवेदी श्रीमती सुधा क्षितिम	08/12/2025 Rs. 18,11,184/-	संपत्ति नगर निगम मकान संख्या 307/एफ-20-बी, मौजा गोहलपुर एन.बी. 601 पीएचएन 24/2 आरएनएम जबलपुर वितरंजन दास वाई संख्या 39 नर्मदा नगर तहसील अधरालाल जिला जबलपुर खसरा संख्या 180/18 कुल क्षेत्रफल- 664 वर्ग फीट सीमा - पूर्व - साइड रोड, पश्चिम - गुसा जी का मकान, उत्तर - मोहन शर्मा का मकान, दक्षिण - सेन का मकान	20/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/NRSP/A0000000189 श्री लक्ष्मण विश्वकर्मा श्री अरुण बाई विश्वकर्मा	08/12/2025 Rs. 26,72,211/-	संपत्ति के समी टुकड़े और पार्सल मौजा रीछ एन.डी. 515 पी.एच.एन. नंबर 31 आर.एन.एम श्रीमंगर तहसील गोटेगांव जिला नर्सिंहपुर खसरा नंबर 254 कुल क्षेत्रफल- 1.027 हेक्टेयर सीमा - पूर्व - रास्ता, पश्चिम - लक्ष्मण विश्वकर्मा की भूमि, उत्तर - देवेंद्र लोधो की भूमि, दक्षिण - लक्ष्मण विश्वकर्मा की भूमि	20/02/2026 Symbolic	
MP/CDA/PDHA/A0000000038 श्री नरेन्द्र गजमिए, श्रीमती मृतीमंजरीभये श्रीमती बेबी गजमिए श्री सुरेंद्र गजमिए , श्री महेंद्र गजमिए	08/12/2025 Rs. 6,20,487/-	संपत्ति के समी टुकड़े और पार्सल मौजा बहन्नी बी.एन. नंबर 263 पी.एच.एन. नंबर 27 आर.एन.एम पांडुरी तहसील पांडुरी और जिला छिंदवाड़ा खसरा नंबर 294/51 कुल क्षेत्रफल- 0.003 हेक्टेयर सीमांकित - पूर्व - कुंडलिक वंजारी बेबी नाई भूमि, पश्चिम - 15 फीट कच्ची सड़क, उत्तर - 10 फीट कच्ची सड़क, दक्षिण - निर्मल घनघोड़े की भूमि	19/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/CDWR/A0000000303 श्री प्रवीण यादव श्रीमती गीता यादव श्रीमती आशा यादव	08/12/2025 Rs. 20,06,721/-	संपत्ति के समी टुकड़े और पार्सल मौजा ग्राम हिरासुदेव बी.एन. नंबर 603 पी.एच.एन. नंबर 66 आर.एन.एम इकालबिहारी तहसील मोहखेड़ा जिला छिंदवाड़ा खसरा नंबर 83/1 कुल क्षेत्रफल-1800 वर्ग फीट। सीमांकित - पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - अशोक मालवी का प्लॉट, उत्तर - जाने के लिए रास्ता ग्राम हिरासुदेव, दक्षिण - विक्रेता की भूमि	19/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/CDWR/A0000000558 श्री रूप सिंह मेहरा श्रीमती कमला बाई	08/12/2025 Rs. 6,09,495/-	संपत्ति के समी टुकड़े और पार्सल मौजा ग्राम हिरासुदेव बी.एन. नंबर 603 पी.एच.एन. नंबर 66 आर.एन.एम इकालबिहारी तहसील मोहखेड़ा जिला छिंदवाड़ा खसरा नंबर 83/1 कुल क्षेत्रफल-1800 वर्ग फीट। सीमांकित - पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - अशोक मालवी का प्लॉट, उत्तर - जाने के लिए रास्ता ग्राम हिरासुदेव, दक्षिण - विक्रेता की भूमि	18/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/SEON/A0000000218 श्री शिवराम बघेल श्रीगणेश गणेश , श्रीमती गंगोत्री गंगोत्री	08/12/2025 Rs. 10,30,060/-	आबादी खसरा क्रमांक 203/1 मौजा बिहिरिया पी.एच.एन 38 तहसील सिवनी जिला सिवनी (म.प्र.) में आच्छादित भूमि कासमस्त टुकड़ा-भाग, कुल क्षेत्रफल- 2180 वर्गफीट, सीमांकित क्षेत्र - पूर्व - बिसेन भोगैल, पश्चिम - गोपाल बोरकर का मकान, उत्तर - सड़क, दक्षिण - चित्रा सिंह भोगैल	21/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/CDWR/A0000000135 श्री सुरेश कुमार साहू श्रीमती उर्मिला साहू	08/12/2025 Rs. 10,83,030/-	संपत्ति का पूरा टुकड़ा खसरा संख्या 177/1/1/4 मौजा, माघागोरा में स्थित है, बीनं. 227 पी.सी. नंबर 14 पी.एच.एन. नंबर 14 आर.एन.एम चौराई तहसील चौराई जिला छिंदवाड़ा एमपी कुल क्षेत्रफल- 0.031 हेक्टेयर सीमा - पूर्व - सरकारी कच्ची सड़क, पश्चिम - मेहरपुर प्रेमचंद साहू का मकान, उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - रामानारायण पुत्र पूरूलाल की भूमि	18/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/CDWR/A0000000222 श्री तेजेश वाड्डेपु श्री हरिराम वाड्डेपु श्रीमती दुर्गा वाड्डेपु	08/12/2025 Rs. 9,86,437/-	संपत्ति के समी टुकड़े ग्राम मौजा सौर सईंदिया गांधी वाई क्रमांक 15 पी.एच.एन. क्रमांक 18 तहसील सौर खसरा क्रमांक 1154/61 तहसील सौर जिला:- छिंदवाड़ा एम.पी 480106 कुल क्षेत्रफल- 1200 वर्ग फीट। सीमा - पूर्व - 20 फीट कच्ची सड़क, पश्चिम - असलम खान की जमीन, उत्तर - सुमन की जमीन, दक्षिण - सुनील शर्मा की जमीन	19/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/GDWR/A0000000077 श्री विजय भाइजा श्रीमती संगीता आहूजा	08/12/2025 Rs. 22,01,742/-	इमरु घाटी तहसील गाडरवारा जिला नर्सिंहपुर मध्य प्रदेश के चिरहाकला टेम्पले के पास मौजा की परिवर्तित भूमि का पूरा टुकड़ा सर्व क्रमांक 563/9,563/10, 563/11 कुल क्षेत्रफल- 800 वर्ग फीट सीमांकित - पूर्व - 7.5 मीटर कॉलोनी रोड, पश्चिम - प्लॉट संख्या 116, उत्तर - प्लॉट संख्या 87, दक्षिण - प्लॉट संख्या 89	18/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/REWA/A0000000476 दिवाकर साहू जी श्रीमती उर्मिला साहू	09/12/2025 Rs. 13,10,056/-	वाई नंबर 10, दक्षिण कुरुड़िया, फोन नंबर 70, आर.एन.एम., सीधी तहसील, गोपद, खसरा नंबर 152 और 253/1/1/1/1/1/1, शहरी, सीधी, मध्य प्रदेश, भारत - 486661। कुल क्षेत्रफल- 1724.5 वर्ग फुट। सीमाएं इस प्रकार हैं: खसरा 152- पूर्व- अनीता साकेत की भूमि, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर- दीप नारायण सिंह की भूमि, दक्षिण- प्रस्तावित 15 फुट चौड़ी सड़क; खसरा 253- पूर्व- अनीता साकेत की भूमि, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर- बृजेंद्र तिवारी और सविता सिंह की भूमि, दक्षिण- कुलदीप सिंह की भूमि।	19/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/REWA/A0000000386 एमएस लालबाई रजक श्री सतीश कुमार रजक	09/12/2025 Rs. 5,27,362/-	मौजा ग्राम समन जे एन 580 पीएफ समन 19 आर एन एम रीवा तहसील हुन्नूर जिला रीवा खसरा संख्या 753/2/के, शहरी, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत - 486001। कुल क्षेत्रफल- 1360 वर्ग फुट। सीमाएं इस प्रकार हैं- पूर्व- सड़क, पश्चिम- पांडे जी का भूखंड, उत्तर- केमला प्रजापति का भूखंड, दक्षिण- मिश्रा जी का भूखंड।	21/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/STNA/A0000000144 श्रीमती शारदा शुक्ला श्रीमती आशा शुक्ला	09/12/2025 Rs. 14,62,289/-	खसरा नंबर 10/10/का/2/1/1/1/1/1, मौजा ग्राम उदयपुर मदन मोहन मालवीय वाई नंबर 02 पीएच 41 आर एन एम मैहर तहसील मैहर जिला मध्य प्रदेश, भारत - 485771 कुल क्षेत्रफल- 1200 वर्ग फीट। सीमा इस प्रकार है- पूर्व-सड़क 30 फीट चौड़ी, पश्चिम-विक्रेता की शेष भूमि, उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण-रवि चौंसिया का घर और प्लॉट	20/02/2026 Symbolic	
MP/JBR/REWA/A0000000544 श्री सुधीर कुमार रजक श्रीमती रामकली रजक	09/12/2025 Rs. 10,11,432/-	मौजा ग्राम लक्ष्मणपुर पीएच लक्ष्मणपुर आर एन एम कोठी तहसील हुन्नूर नगर जिला रीवा खसरा संख्या 1277, शहरी, रीवा, मध्य प्रदेश, भारत - 486005 कुल क्षेत्रफल- 5722 वर्ग फुट। सीमाएं इस प्रकार हैं - पूर्व- भरत कुमार राजक का मकान, पश्चिम- राजीव लोचन मिश्रा का मकान, उत्तर- सरकारी सड़क, दक्षिण- अन्य भूमि	21/02/2026 Symbolic	

वैधानिक नोटिस उच्चारकर्ताओं / जमानतदार

उच्चारकर्ताओं / जमानतदारों को स्टेटमेंट नोटिस द्वारा सावधानी पूर्वक कहा जाता है कि संपत्ति को किसी भी समय वाजिबतर्जनी नीलामी / निविदाओं के माध्यम से बेचा जा सकता है और इस तरह इसे सुरक्षा (बचाय) प्रवर्तन नियम 2002 नियम 6, 8 और 9 के तहत एक नोटिस के रूप में भी माना जा सकता है। प्राधिकारी अधिकारी मांवाई नं.- Vaibhav Shrivastav - 7987969803, Syed Shoaib (ARM) - 8770818029, Gourav Naik - 75877 48188, Divyank Shrivastava - 831 822 5992, Sameer Singh- 958420575

दिनांक - 22 /02 /2026

प्राधिकृत अधिकारी, हिन्दूजा हाऊसिंग, फायनेंस लिमिटेड



इस युद्धाभ्यास में 277 अत्याधुनिक हथियारों का किया जाएगा प्रदर्शन

150 किलो का रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट पहली बार नजर आएगा सार्वजनिक रूप से

80 फाइटर जेट और 45 हेलीकॉप्टर दिखाएंगे अपनी ताकत

एजेसी ►► नई दिल्ली

आने वाले 27 फरवरी को पाकिस्तान की धड़कने कई गुना बढ़ने वाली है, क्योंकि पोखरण में वायु वीर मरुस्थल में गिराने वाले हैं बम, गोला और बारूद। आपको बता दें कि एयर चीफ ने साफ तौर पर कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है और इसी को देखते हुए वायुसेना वायु शक्ति नाम के कार्यक्रम का आयोजन करके भारी बमबारी करेगी। जिस तरह से पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया

यह है आरपीए की खासियत

पहली बार 150 किलो का रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट यानी आरपीए सार्वजनिक रूप से दिखाेगा। यह आरपीए बाज की तरह घंटों मंडराकर टारगेट मिलते ही हमला करता है। शॉर्ट रेंज लोड्टरिंग म्युनिशन और कामिकेज ड्रोन भी दिखाए जाएंगे। काउंटर अनमैकड एरियल सिस्टम यानी सी-यूएस की क्षमता का प्रदर्शन होगा। पोखरण में यह पहला मौका होगा जब फाइटर जेट, हेलिकॉप्टर, ड्रोन और मेक इन इंडिया से बने आर्म्स की साझा ताकत देखने को मिलेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक बॉर्डर के पास इंडियन एयरफोर्स 27 को करेगी युद्धाभ्यास



गया था ठीक उसी तरह से पाकिस्तान के बॉर्डर के समीप दुश्मन के ठिकानों को चुन-चुनकर नेस्तनाबूद करने की प्रैक्टिस होगी। 24 फरवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल और 27 फरवरी को मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस युद्धाभ्यास में 80 फाइटर जेट्स और 45 हेलिकॉप्टर तैनात रहेंगे करीब 12 हजार किलो गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जाएगा। एयर सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस युद्धाभ्यास में 277 अत्याधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा।

यह है ऑपरेशन सिंदूर

6-7 मई 2025 की रात भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ किया गया एक सटीक हमले के बाद पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ एक त्वरित और रणनीतिक प्रतिक्रिया थी, जिसमें 9 मुख्य आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया था।

हैदराबाद हाउस में दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुखों के बीच हुआ समझौता

भारत और ब्राजील के बीच 20 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य, दोनों देशों ने साइन किए कई एमओयू

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली

अमेरिका के बाद भारत और ब्राजील के बीच भारत और ब्राजील के बीच क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स को लेकर कई व्यापार समझौता हुआ, दोनों देशों ने कई एमओयू साइन किए। शनिवार को दिल्ली में दोनों देशों के बीच बैठक हुई है। इस दौरान साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। पिछले साल यानी 2025 में भारत और ब्राजील के बीच 15.21 अरब डॉलर तक व्यापार हुआ था। इसमें 25% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। भारत का एक्सपोर्ट 8.35 अरब डॉलर और ब्राजील से इंपोर्ट 6.85 अरब डॉलर तक रहा। इसके अलावा ब्राजील में भारतीय निवेश 15 अरब डॉलर से ज्यादा रहा। बता दें कि इन दिनों ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और उनका प्रतिनिधिमंडल भारत दौरे पर हैं। शनिवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की उपस्थिति में भारत और ब्राजील के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ।

ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर सेंटर खोलेगा भारत

बताया गया कि भारत, ब्राजील में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक सेंटर खोलने पर काम कर रहा है। एआई, सुपरकंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को प्राथमिकता भारत प्राथमिकता दे रहा है। दोनों देशों का मानना ​​है कि टेक्नोलॉजी समावेशी होनी चाहिए। इसे दोनों देशों के लिए भिज की तरह काम करना चाहिए।

पीएम मोदी बोले- साझा प्रगति के लिए एक सेतु जैसा काम करना चाहिए



यह कहा मोदी ने

इस दौरान, पीएम मोदी ने कहा कि यह समझौता मजबूत संपर्क के दिशा में एक बड़ा कदम है। ब्राजील लैटिन अमेरिका में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। हम अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को 20 अरब डॉलर से अधिक तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा व्यापार सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है। यह हमारे का प्रतीक है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि हम ब्राजील में डिजिटल सार्वजनिक अवसरवा के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने पर काम कर रहे हैं। हम कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सुपरकंप्यूटर, सेमीकंडक्टर और ब्लॉकचेन जैसे क्षेत्रों में भी अपने सहयोग को प्राथमिकता दे रहे हैं। दोनों देशों का मानना ​​है कि प्रौद्योगिकी समावेशी होनी चाहिए और साझा प्रगति के लिए एक सेतु का काम करना चाहिए।

भारत दौरे पर हैं ब्राजील के राष्ट्रपति लूला और उनका प्रतिनिधिमंडल

चीन की निर्भरता कम करने की तैयारी में भारत-ब्राजील

क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ एलिमेंट्स से जुड़ा समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख हिस्सा है, जो ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की निर्भरता कम करने, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन को सपोर्ट करने और रिकसांशिल देशों की आवाज को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह समझौता दोनों देशों को कच्चे माल के निर्यातक से आगे बढ़ाकर प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन और रिसाइक्लिंग में भागीदार बनाने पर जोर देता है।

यह नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात ब्राजील के राष्ट्रपति

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने कहा, मेरे प्रिय मित्र मोदी, इस देश में छठी बार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। भारत और ब्राजील की यह मुलाकात बेहद खास है। हम सिर्फ ग्लोबल साउथ की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतें ही नहीं हैं, बल्कि यह एक डिजिटल शक्ति और एक नवीकरणीय ऊर्जा शक्ति की मुलाकात है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्राजील दोनों ही विविधताओं से भरे बड़े देश हैं, सांस्कृतिक उद्योग के बड़े केंद्र हैं और हम दोनों शांति का समर्थन करते हैं। भारत में ब्राजील के राजदूत केनेथ दा नोब्रेगा ने बताया कि राष्ट्रपति लूला भारत की राजकीय यात्रा पर 11 कैबिनेट मंत्रियों, 300 से अधिक करोड़बारियों और 50 सौडों के बड़े प्रतिनिधिमंडल के साथ आए हैं।

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर आतंकी हमले के इनपुट मिले हैं। सुरक्षा एजेंसियों की ओर से दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है। खबर है कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी लाल किले के आसपास एक बार फिर धमाके की साजिश रच सकते हैं। इसके अलावा चांदनी चौक के एक प्रमुख मंदिर को भी निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, लश्कर के आतंकी 6 फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद की एक मस्जिद में हुए धमाके के बाद भारत में भी खौफनाक साजिश को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। खुफिया एजेंसियों को जैसे ही यह इनपुट मिला, दिल्ली पुलिस ने तुरंत लाल किला, चांदनी चौक और आसपास के धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ा दी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 10 लाख रुपए मुआवजे का दिया आदेश

‘कैदी की आत्महत्या राज्य पूरी तरह जिम्मेदार’

एजेसी ►► प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर किसी कैदी की हिरासत में अप्राकृतिक तरीके से मौत होती है, तो उसके लिए पूरी तरह से राज्य सरकार जिम्मेदार होगी, भले ही वह मृत्यु आत्महत्या ही क्यों न हो। हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत जीवन और मानवीय गरिमा का अधिकार एक आंतरिक और



सर्वव्यापी अधिकार है। जस्टिस शेखर बी सराफ और जस्टिस मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने 20 फरवरी को प्रेमा देवी द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए यह फैसला सुनाया। प्रेमा देवी ने पीलीभीत जिला जेल में अपने नाबालिग बेटे की मौत के लिए मुआवजे की मांग की थी।

मुआवजा देने का निर्देश

अदालत ने प्रतिवादियों- राज्य सरकार और अन्य अधिकारियों को तीन सप्ताह के भीतर कागजी रिपोर्टों की 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से मुआवजे के निर्धारण के लिए दिशानिर्देश तैयार करने को भी कहा। फैसले के अनुसार, याचिकाकर्ता के बेटे, जो पैंकसो मामले में विचाराधीन था। उसने 20 फरवरी, 2024 को आत्महत्या कर ली। उसका शव जेल के शौचालय के वेंटिलेटर से लटकता हुआ मिला। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने पहले तीन लाख रुपये के मुआवजे की सिफारिश की थी। मुआवजा न मिलने पर याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट का रुख किया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि मुक्त को अनेक पैसों की मांग को लेकर पुलिसकर्मियों द्वारा प्रताड़ित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अंततः उसकी मृत्यु हो गई।

यूनेस्को विश्व धरोहर को लेकर एएसआई ने लिया फैसला

हर रोज खुलेगा अब लाल किला, जारी हुआ आदेश

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली में स्थित ऐतिहासिक लाल किला अब सप्ताह के सभी दिन आगंतुकों के लिए खुला रहेगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। पहले यह मुगलकालीन स्मारक प्रत्येक सोमवार को बंद रहता था। लाल किला एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भी है। एएसआई ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। यह आदेश हाल ही में जारी किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आदेश के अनुसार लाल किला सोमवार को भी खुला रहेगा। यह आदेश 16 फरवरी से प्रभावी हो गया है। 16 फरवरी को लाल किला खुला था। आदेश पर एएसआई के महानिदेशक को हस्ताक्षर हैं। यह आदेश 13 फरवरी को जारी किया गया था। एएसआई देश के केंद्रीय संरक्षित स्मारकों का प्रबंधन करता है।



नए आदेश का प्रभाव

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने लाल किले को लेकर महत्वपूर्ण बदलाव किया है। इस नए आदेश से पर्यटकों को काफी सुविधा मिलेगी। अब वे सप्ताह के किसी भी दिन लाल किले का भ्रमण कर सकेंगे। पहले सोमवार को लाल किला बंद होने के कारण कई पर्यटक निराश होते थे। यह निर्णय पर्यटकों को बढ़ावा देने में सहायक होगा।

ऐतिहासिक महत्व और प्रबंधन लाल किला दिल्ली का एक प्रमुख ऐतिहासिक स्थल है। यह मुगलकालीन वास्तुकला का एक शानदार उदाहरण है। इसे यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण इस महत्वपूर्ण स्मारक का रखरखाव करता है। एएसआई देश भर में कई अन्य संरक्षित स्मारकों का भी प्रबंधन करता है।

►► सेमीफाइनल की रेस में क्या असर होगा?

पहला सुपर-8 मैच होने के बाद पाकिस्तान और न्यूजीलैंड को एक-एक अंक मिले हैं। यहां से सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए दोनों टीमों को अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। दोनों टीमों को इंग्लैंड और श्रीलंका से खेलना है।

टी-20 वर्ल्डकप में पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच का पहला सुपर-8 मैच बारिश की भेंट चढ़ गया है। शनिवार शाम 6:30 बजे पाकिस्तान के कप्तान सलमान आगा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लेकिन, मैच शुरू होने से पहले बारिश आ गई।

करीब ढाई घंटे के इंतजार के बार मैच रेफरी ने इसे रद्द कर करने का फैसला लिया। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक दे दिए। इस टूर्नामेंट में दूसरा मैच रद्द हुआ है। इससे पहले जिम्बाब्वे और आयरलैंड का मैच रद्द हुआ था।

4 मार्च से ठंडे जल से स्नान करेंगे महाकाल

हरिभूमि न्यूज ►►उज्जैन

होली के अवसर से राजाधिराज महाकाल ठंडे जल से स्नान करेंगे। इसके पहले अभी तक बाबा महाकाल को गरम जल से स्नान कराया जाता रहा। बाबा महाकाल ठंड के दौरान गरम जल से और गर्मी के मौसम के दौरान ठंडे पानी से स्नान करते हैं। ठंडे जल से स्नान कराने की शुरुआत चैत्र कृष्ण

प्रतिपदा 4 मार्च से होगी। इसके साथ ही तीन आरतियों के समय में भी बदलाव हो जाएगा। मंदिर में प्रतिदिन पांच आरतियां होती हैं। महाकाल मंदिर में गर्मी के मौसम के दौरान दिनचर्या बदलेगी और यह सिलसिला शरद पूर्णिमा तक जारी रहेगा। महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में साल में दो बार भगवान महाकाल की दिनचर्या व आरती का समय बदलता है।

राजस्थान हाइकोर्ट का बड़ा फैसला

एजेसी ►►जयपुर

राजस्थान हाइकोर्ट ने राज्य सरकार का आदेश बरकरार रखा, जिसमें पत्नी द्वारा दायर सूचना अधिकार आवेदन के तहत पति के वेतन संबंधी विवरण देने से इनकार किया गया था।

पत्नी की आरटीआई याचिका खारिज

पति के वेतन का विवरण निजी सूचना, जानना पत्नी का हक नहीं

अदालत ने कहा कि किसी कर्मचारी के वेतन और सेवा संबंधी विवरण व्यक्तिगत सूचना की श्रेणी में आते हैं। मामले में याचिकाकर्ता ने संबंधित विभाग में कार्यरत अपने पति के एक निश्चित अवधि के वेतन पर्ची और वेतन भुगतान का विवरण मांगा। राज्य ने यह कहते हुए सूचना देने से इनकार किया कि मांगी गई जानकारी व्यक्तिगत प्रकृति की है, जो एक

तृतीय पक्ष से संबंधित है और सूचना अधिकार के तहत अपवाद में आती है। इसके बाद याचिका हाइकोर्ट में दायर की गई। जस्टिस कुलदीप माथुर की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि राज्य द्वारा सूचना देने से इनकार करने के आदेश में कोई अवैधता नहीं है, क्योंकि मांगी गई सूचना तृतीय पक्ष से संबंधित व्यक्तिगत जानकारी है।

बरोजगार युवाओं को उठाना पड़ा व्यवस्थाओं की लेटलतीफी का खामियाजा

कैंग की रिपोर्ट में खुलासा, लोक सेवा आयोग की लापरवाही से 30 दिन की भर्ती प्रक्रिया में औसतन 136 दिन तक लगे

हरिभूमि न्यूज ►►भोपाल

राज्य सरकार ने शुक्रवार को वर्ष 2025 की भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैंग) की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखा है। कैंग ने अपनी रिपोर्ट में अलग-अलग विभागों की ऑडिट में बड़े पैमाने पर अनियमितता पकड़ी है। लोक सेवा आयोग की ऑडिट में पाया कि जो परीक्षा 30 दिनों के भीतर होनी चाहिए थी, उसमें आवेग को 136 दिन लग गए। इससे बड़े पैमाने पर लेटलतीफी हुई। इसका खामियाजा बरोजगार युवाओं को भुगतना पड़ा। कैंग ने लोक सेवा आयोग के

विभिन्न विभागों खासकर 2018-19 से लेकर 2022-23 की अवधि के लिए अभिलेखों की नमूना जांच की। इसमें पाया कि आयोग व राज्य सरकार के विभागों के बीच समन्वय की कमी पाई गई। क्योंकि विभागों की ओर से नियुक्तियों की सूचना देने में विलंब किया गया। इसके परिणाम स्वरूप भर्ती में देरी हुई। आयोग के ऑडिट में पाया कि 2018 से लेकर 2023 के दौरान 44 परीक्षाओं में से 28 परीक्षाओं में ही विज्ञापित जारी किया। यह योजना में कमी को दर्शाता है। आयोग ने 94 विज्ञापनों में से 30 विज्ञापन जारी करने में एक माह की उचित अवधि के अतिरिक्त औसतन 136 दिन लिए।

19 परीक्षाओं में से केवल पांच का आयोजन ऑनलाइन मोड पर किया

ऑडिट में कैंग ने यह भी पाया कि 19 परीक्षाओं में से केवल पांच का आयोजन ऑनलाइन मोड पर किया गया। 2013 से अपनी नियमावली को अद्यतन नहीं किया। जिसके कारण शासन के निर्देशों को उसमें शामिल नहीं किया गया आयोग का वित्तीय प्रबंधन त्रुटिपूर्ण है। क्योंकि 42% निधि का समर्पण किया गया। 2018 से 2023 के बीच में 51.18 करोड़ में से करीब 5 करोड़ रुपए का उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया। इस दौरान 21 से 24% के बीच मानव संसाधन की कमी थी। इसे संविदा कर्मचारियों से भरा गया था। आयोग ने 4 वर्ष बीत जाने के बाद भी आवेदकों को परीक्षा शुल्क को वापस नहीं किया। इसके अलावा भी आयोग में कई बड़ी अनियमितताएं कैंग ने पकड़ी हैं।

विज्ञापन प्रकाशित करने में 20 माह का समय ले लिया

आयोग ने विज्ञापन की तिथि से क्रमशः एक स्तरीय दो स्तरीय और त्रि स्तरीय परीक्षाओं के लिए 6, 12, 18 माह के निर्धारित समय की तुलना में 1 से 25 माह के विलंब के साथ चयन की प्रक्रिया पूर्ण की। एक मामले में यह भी पाया गया कि आयोग ने मांग प्राप्त करने के बाद भी विज्ञापन प्रकाशित करने में 20 माह का समय ले लिया। आयोग ने परिवहन विभाग के एक मामले में त्रुटि बस दो बार सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों के 13 पदों की मांग भेजी और आयोग ने अभ्यर्थियों का चयन किया, जो आंतरिक नियंत्रण के अभाव को दर्शाता है। जबकि आयोग या विभाग स्तर पर ऐसी गलतियों को रोका जा सकता था। सामान्य प्रशासन विभाग ने समय पर राय या आदेश जारी नहीं किया, जिसके कारण आयोग ने डीपीसी के 47 मामलों में कार्रवाई नहीं की। इसके कारण पदेनति में विलंब हुआ।

सुरक्षित निवेश के कई मजबूत विकल्प, मिलेगा बढ़िया रिटर्न

- पीपीएफ, एनएससी, एससीएसएस और सुकन्या जैसी योजनाएं दे रही हैं आकर्षक ब्याज और टैक्स लाभ
- कम जोखिम में स्थिर आय और लंबी अवधि में मजबूत फंड बनाने के विकल्प
- बैंक एफडी से आगे बढ़कर सोचें, सरकारी योजनाओं में छिपा है बेहतर रिटर्न



बिजनेस डेस्क

आज के दौर में निवेशकों की सबसे बड़ी प्राथमिकता है पूंजी की सुरक्षा और स्थिर रिटर्न। शेयर बाजार की अस्थिरता से घबराने वाले या जोखिम कम लेना चाहने वाले लोग आमतौर पर बैंक एफडी का सहारा लेते हैं। लेकिन क्या एफडी ही एकमात्र सुरक्षित विकल्प है? असल में, सरकार समर्थित कई ऐसी योजनाएं हैं जो न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि कई मामलों में एफडी से बेहतर ब्याज भी देती हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही भरोसेमंद निवेश विकल्पों के बारे में, जहां सुरक्षा के साथ अच्छा रिटर्न भी मिल सकता है।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) अगर आपका लक्ष्य लंबी अवधि में सुरक्षित तरीके से बड़ा फंड बनाना है, तो पीपीएफ एक बेहतरीन विकल्प है।
 - निवेश अवधि: 15 वर्ष
 - वर्तमान ब्याज दर : 7.1% (सरकार द्वारा तिमाही आधार पर तय)
 - अधिकतम निवेश : 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
 - टैक्स लाभ : धारा 80सी के तहत छूट
 - पीपीएफ की सबसे बड़ी खासियत है इसका ईईईई स्टैटस निवेश, ब्याज और मैच्यूरिटी राशि तीनों टैक्स-फ्री होती हैं। यह योजना खासकर उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो रिटायरमेंट या बच्चों की उच्च शिक्षा जैसे दीर्घकालिक लक्ष्य के लिए सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं।
- नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट (एनएससी)**
 - यदि आप 5 साल की अवधि के लिए सुरक्षित निवेश चाहते हैं, तो एनएससी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
 - निवेश अवधि : 5 वर्ष
 - ब्याज दर : लगभग 7.7%
 - टैक्स लाभ : 80सी के तहत छूट
 - एनएससी में निवेश की गई राशि सुरक्षित रहती है और तय ब्याज दर के अनुसार परिपक्वता पर रिटर्न मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए बेहतर है जो मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहते हैं और जोखिम नहीं लेना चाहते।

3. लीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस)

- यह योजना विशेष रूप से 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है।
- निवेश अवधि : 5 वर्ष (आवश्यकतानुसार बढ़ाई जा सकती है)
- ब्याज दर : लगभग 8% से अधिक (तिमाही समीक्षा के अधीन)

4. पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम (एमआईएस)

- अगर आप सुरक्षित निवेश के साथ हर महीने नियमित आय चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम एक बेहतर विकल्प है।
- निवेश अवधि: 5 वर्ष
- ब्याज दर: लगभग 7.4%
- मासिक ब्याज भुगतान

5. सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई)

- बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए यह योजना विशेष रूप से बनाई गई है।
- पात्रता: 10 वर्ष या उससे कम आयु की बेटों
- निवेश अवधि: 15 वर्ष
- मैच्यूरिटी: 21 वर्ष
- अधिकतम निवेश: 1.5 लाख रुपये प्रति वर्ष
- ब्याज दर: लगभग 8.2%
- एसएसवाई वर्तमान में सबसे अधिक ब्याज देती है।

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में यह सबसे लुभावना मौका

- जानकारी**
- बिजनेस डेस्क**

ऑनलाइन शॉपिंग के दौर में एक लाइन सबसे ज्यादा लुभाती है वो है ‘नो कॉस्ट’ ईएमआई। छोटी-छोटी किस्तें देखकर खरीदारी का फैसला आसान लगने लगता है। दिमाग कहता है “इतनी सी ईएमआई है, अभी ले लेते हैं।” लेकिन निवेश और व्यक्तिगत वित्त के नजरिए से देखें तो ‘नो कॉस्ट’ ईएमआई उतनी सरल नहीं, जितनी दिखाई देती है। अब सवाल यह है कि क्या वाकई इसमें कोई लागत नहीं होती? या फिर लागत सिर्फ नजर नहीं आती?

‘नो कॉस्ट’ ईएमआई होती क्या है?

सरल शब्दों में, ‘नो कॉस्ट’ ईएमआई का मतलब है कि आप किसी प्रोडक्ट की कीमत किस्तों में चुकाते हैं और आपको अलग से ब्याज नहीं देना पड़ता। यानी कुल ईएमआई जोड़ने पर रकम उतनी ही होगी जितनी प्रोडक्ट की कीमत। लेकिन बैंक या फाइनेंस कंपनी बिना कमाई के पैसा उधार नहीं देती। तो फिर ब्याज कौन दे रहा है? यहीं से असली खेल शुरू होता है।

बैंक की कमाई कैसे होती है?

जब आप ईएमआई चुनते हैं, तो आमतौर पर प्रोडक्ट पर मिलने वाला सीधा डिस्काउंट कम कर दिया जाता है। उसी घटे हुए डिस्काउंट से बैंक का ब्याज एडजस्ट कर दिया जाता है। मतलब ये कि कागजों में आपको “ब्याज नहीं” दिखाता है। लेकिन आपको मिलने वाला फायदा पहले ही कम कर दिया जाता है। बैंक को उसका हिस्सा मिल जाता है, और ग्राहक को लगता है कि वह बिना अतिरिक्त खर्च के सुविधा ले रहा है।

एसआईपी संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बिना योजनाबद्ध निकासी निवेश को कर देती है बर्बाद

बिजनेस डेस्क

जनवरी 2026 में निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में 31,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। एसआईपी अब आदत जैसी बन गई है। यह संपत्ति निर्माण का एक आसान और व्यवस्थित तरीका बन गया है। लेकिन असली परीक्षा तब शुरू होती है जब आप इसका उपयोग करना शुरू करते हैं। बिना योजनाबद्ध निकासी रणनीति के वर्षों का अनुशासित निवेश जल्दी ही बिखर सकता है। इसलिए हर एसआईपी के साथ एक सिस्टमैटिक विडड्रॉल प्लान (एसडब्लूपी) होना भी जरूरी है। एसआईपी संपत्ति संचय का एक प्रभावी साधन है, लेकिन यह सुचारु परिणाम की गारंटी नहीं देता। इसलिए एसआईपी से बाहर निकलने का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपका एसआईपी कितने समय तक चला या आपने इसे किस बाजार परिस्थिति में शुरू किया। अंतिम चरण में बाजार में गिरावट आपकी योजनाओं को पटरी से उतार सकती है। मार्ग लीजिए एक निवेशक ने जनवरी 2005 में एसबीआई निफ्टी इंडेक्स फंड में 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की। लक्ष्य था 2020 के मध्य तक घर की डाउन पेमेंट के लिए 40 लाख रुपये जुटाना। 31 जनवरी 2020 तक 18 लाख रुपये के निवेश बढ़कर 40.73 लाख रुपये हो गया। लक्ष्य आसानी से हासिल होता दिख रहा था। फिर महामारी के कारण बाजार में गिरावट आई। 23 मार्च 2020 तक यह कॉर्पस घटकर 26 लाख रुपये रह गया यानी अचानक 14 लाख रुपये की कमी। पोर्टफोलियो को दोबारा संभलने में लगभग आठ महीने लग गए। यदि निवेशक ने लक्ष्य तिथि से 12-18 महीने पहले एसडब्लूपी के माध्यम से चरणबद्ध निकासी शुरू कर दी होती तो कुछ मुनाफा सुरक्षित किया जा सकता था। एसडब्लूपी मूलतः एसआईपी का उल्टा है। नियमित अंतराल पर निश्चित रकम निवेश करने के बजाय आप तय समयवधि में नियमित रूप से निश्चित राशि निकालते हैं। जैसे-जैसे लक्ष्य नजदीक आता है, एसडब्लूपी एक संतुलित और क्रमिक निकासी का मार्ग तैयार करता है।

फंड तैयार करने की जल्दबाजी छोड़िए, एसआईपी को समय दें

बिजनेस डेस्क। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आज म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय तरीका बन चुका है। छोटे-छोटे मासिक निवेश के जरिए बड़ा फंड तैयार करने का यह अनुशासित माध्यम है। लेकिन एक सवाल लगभग हर निवेशक के मन में आता है। एसआईपी में रिटर्न असली रफ्तार कब पकड़ता है? कई निवेशक 1-2 साल में शानदार मुनाफे की उम्मीद करते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वे एसआईपी बंद भी कर देते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि एसआईपी का असली फायदा समय के साथ खुलकर सामने आता है।

शॉर्ट टर्म में क्यों निराश कर सकता है एसआईपी?

अगर आप 1 से 3 साल की अवधि में एसआईपी का प्रदर्शन देखें, तो तस्वीर उतनी आकर्षक नहीं दिखती। ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर निफ्टी 50 पर आधारित एसआईपी के रिटर्न का विश्लेषण बताता है कि छोटे समय में रिटर्न कई बार प्लेटेा या निगेटिव भी रहा है।



एसडब्लूपी है वितरण की संरचना

इस संरचना के दो प्रमुख लाभ हैं। पहला यह अंतिम समय की बाजार अस्थिरता से अजिंत लाभ के एक हिस्से की सुरक्षा करता है। दूसरा जो राशि नहीं निकाली जाती, वह निवेशित बनी रहती है और अंतिम चरण में संभावित बढ़त का लाभ उठाती है। उद्योग के विशेषज्ञ अब एसआईपी और एसडब्लूपी को एक संयुक्त रणनीति के दो हिस्सों के रूप में देखते हैं। वे इस संयोजन को जीवन भर का एसआईपी बताते हैं। कमाई के वर्षों में व्यवस्थित बचत और आय कम होने पर व्यवस्थित निकासी, बिना चक्रवृद्धि की ताकत को तोड़ें। असल में एसआईपी संचय का इंजन है, जबकि एसडब्लूपी वितरण की संरचना। यह दोनों मिलकर संपत्ति निर्माण, संरक्षण और वितरण का निरंतर चक्र बनाते हैं।

सेवानिवृत्ति से आगे की भी सोचें

परंपरागत रूप से एसडब्लूपी को रिटायरमेंट आय के साधन के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन यह धारणा बदल रही है। एसडब्लूपी जीवन के विभिन्न चरणों में एक लचीला और कर-कुशल नकदी प्रवाह समाधान बनकर उभर रहा है। यह लोन की ईएमआई, बच्चों की फीस या अनियमित आय से जुड़े जीवनशैली खर्च जैसे नियमित खर्चों के लिए स्थिर आय प्रदान कर सकता है। यहां तक कि एकमुश्त लक्ष्यों जैसे शादी या घर की मरम्मत के लिए भी एसडब्लूपी चरणबद्ध निकासी की सुविधा देता है, जिससे टाइमिंग जोखिम कम होता है और शेष पूंजी निवेशित बनी रहती है।

सिर्फ एसआईपी नहीं एसडब्लूपी भी जरूरी

बकेट रणनीति भी बनाएं

रिटायरमेंट में हर फंड एसडब्लूपी के लिए उपयुक्त नहीं होता। विशेषज्ञ तीन-बकेट रणनीति सुझाते हैं। तीन साल के खर्च लिक्विड फंड में, चौथे से सातवें वर्ष के खर्च कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में और दीर्घकालिक निवेश इक्विटी में ताकि मुद्रास्फीति को मात दी जा सके। निकासी पहले बकेट से शुरू होती है। जैसे-जैसे वह कम होता है, दूसरे बकेट से उसे भरा जाता है और बाद में तीसरे बकेट से। यह स्तरीय संरचना निकट अवधि के खर्चों को इक्विटी की अस्थिरता से बचाती है और दीर्घकालिक वृद्धि को बनाए रखती है।

चक्र को पूरा करना जरूरी

हर वित्तीय यात्रा व्यक्तिगत लक्ष्यों, आय पैटर्न और जोखिम सहनशीलता से प्रभावित होती है। लेकिन सिद्धांत सार्वभौमिक है। वितरण योजना के बिना संचय अधूरा है। एसआईपी से एसडब्लूपी तक सुचारु संक्रमण आवश्यक है। सही तरीके से किया जाए तो यह साझेदारी चक्रवृद्धि की शक्ति को जारी रखते हुए आपको नियमित आय भी देती रहती है।

संक्रमण की योजना भी हो

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि निवेश के तुरंत बाद एसडब्लूपी शुरू नहीं करना चाहिए। निकासी शुरू होने से पहले पोर्टफोलियो को बढ़ने का समय चाहिए। बहुत जल्दी शुरुआत करने से यदि बाजार अस्थिर हो जाए, तो मूलधन पर असर पड़ सकता है। कर दक्षता भी इसका एक बड़ा लाभ है। प्रत्येक एसडब्लूपी किस्त में मूलधन और पूंजीगत लाभ दोनों शामिल होते हैं, लेकिन कर केवल लाभ वाले हिस्से पर लगता है। कम से कम एक वर्ष तक निकासी टालने से इक्विटी निवेश दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर के दायरे में आ जाता है, जिसमें सालाना 1.25 लाख रुपये तक के लाभ पर छूट मिलती है। अनिवार्य लक्ष्यों के लिए आदर्श रूप से लक्ष्य तिथि से 2-3 वर्ष पहले एसडब्लूपी शुरू कर देना चाहिए। भले ही कॉर्पस थोड़ा कम हो। अंतिम वर्ष तक इंतजार करने से जोखिम बढ़ जाता है। चरणबद्ध निकासी परिणामों को संतुलित बनाती है।

कितनी निकासी सुरक्षित है?

दीर्घकालिक स्थितियों जैसे सेवानिवृत्ति में निकासी दर यह तय करती है कि बचत 20-30 वर्षों तक चलेगी या समय से पहले खत्म हो जाएगी। जोखिम केवल बाजार की अस्थिरता नहीं, बल्कि सीबेक्स-ऑफ-रिटर्न्स का भी होता है। यदि शुरुआती वर्षों में खराब रिटर्न के दौरान निकासी होती है तो कॉर्पस तेजी से घट सकता है। एसआईपी के हिपैरिंत, जहां गिरते बाजार में अधिक यूनिट जमा होती हैं, एसडब्लूपी में गिरावट के दौरान समान नकदी प्रवाह के लिए अधिक यूनिट बेचनी पड़ती है। इसलिए निकासी दर संतुलित और सावधानीपूर्ण होनी चाहिए। आदर्श रूप से निकासी दर पोर्टफोलियो के दीर्घकालिक संभावित रिटर्न से कम होनी चाहिए। एक सामान्य नियम यह है कि निकासी वास्तविक रिटर्न यानी मुद्रास्फीति समायोजित रिटर्न के आधार पर तय हो। यदि अपेक्षित रिटर्न 10% और मुद्रास्फीति 5% है, तो निकासी 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्थिरता बनाए रखने के लिए निकासी दर अपेक्षित रिटर्न से 2-3 प्रतिशत अंक कम रखनी चाहिए। वैश्विक शोध अक्सर 3.5-4% को एक टिकाऊ दर मानता है, लेकिन इसकी उपयुक्तता एसेट आवंटन, जीवन प्रत्याशा और जीवनशैली की जरूरतों पर निर्भर करती है। प्रदर्शन के आधार पर समायोजित होने वाली डायनेमिक निकासी रणनीतियां भी मजबूती बढ़ा सकती हैं।

दो चीजें काम करती हैं

- रुपया लागत औसत : बाजार गिरने पर आपकी तय राशि से ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं।
- कंपाउंडिंग : शुरुआती निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे रिटर्न कमाता है।
- शुरुआती सालों की कमजोरी संतुलित होने लगती है और निवेश स्थिरता दिखाते लगता है।

7 साल के बाद बढ़ती है रफ्तार

- इतिहास बताता है कि 7 साल या उससे अधिक की अवधि में एसआईपी पर निगेटिव रिटर्न की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। डबल डिजिट रिटर्न सामान्य हो जाते हैं। यहां सबसे बड़ा बदलाव बाजार में नहीं, बल्कि निवेशक के अनुभव में आता है। बाजार गिरता है, तो आपके पास रिकवरी का पर्याप्त समय होता है। तेजी आने पर आप उस पूरी रैली का हिस्सा बनते हैं। कंपाउंडिंग का प्रभाव स्पष्ट दिखने लगता है।

ऐसे समझें

उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 10,000 रुपये एसआईपी करता है और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 3 साल में कुल निवेश 3.6 लाख पर फंड लगभग 4–4.5 लाख के

आसपास हो सकता है। 10 साल में कुल निवेश 12 लाख पर फंड 23–24 लाख से ज्यादा हो सकता है। यहीं है कंपाउंडिंग की असली ताकत।

कब शुरू करें और कितना समय दें

- जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना बेहतर।
- कम से कम 7–10 साल का नजरिया रखें।
- बाजार गिरने पर बंद न करें, जारी रखें।
- लक्ष्य आधारित निवेश करें।

असली रफ्तार कहां से

- पहले 2–3 साल: उतार-चढ़ाव
- 5 साल: स्थिरता
- 7 साल+: कंपाउंडिंग का प्रभाव
- 10 साल+: वास्तविक वेलथ क्रिएशन

धैर्य ही असली रणनीति

एसआईपी कोई जादूई फार्मूला नहीं, बल्कि अनुशासित निवेश की प्रक्रिया है। छोटे समय में परिणाम आकर्षक न दिखें, लेकिन लंबी अवधि में यह प्रभावशाली बन जाता है। अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन करने का धैर्य रखते हैं और निवेश की 7–10 साल का समय देते हैं, तो एसआईपी मजबूत संपत्ति निर्माण करेगी।



क्या एसआईपी सच में बना सकती है अमीर?

नौकरीपेशा लोगों के लिए छोटी बचत को निवेश में बदलना व्यावहारिक तरीका अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की रखता है नींव

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में हर कमाने वाला व्यक्ति चाहता है कि उसकी आय सिर्फ खर्च तक सीमित न रहे, बल्कि भविष्य में बड़ी पूंजी में बदले। नौकरीपेशा लोगों के लिए हर महीने छोटी-छोटी बचत को निवेश में बदलना सबसे व्यावहारिक तरीका है। इसी संदर्भ में एसआईपी सबसे ज्यादा चर्चा में रहता है। लेकिन सवाल यह है क्या एसआईपी वास्तव में आपको अमीर बना सकती है? सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एसआईपी कोई निवेश उत्पाद (प्रोडक्ट) नहीं, बल्कि निवेश करने का तरीका है। असल निवेश म्यूचुअल फंड में होता है और एसआईपी उस फंड में नियमित अंतराल पर तय रकम लगाने की प्रणाली है। यानी आप हर महीने एक निश्चित राशि निवेश करते हैं, चाहे बाजार ऊपर हो या नीचे। यही अनुशासन लंबे समय में संपत्ति निर्माण की नींव रखता है। अमीर बनने की संभावना इस बात पर निर्भर करती है कि आप कितने समय तक निवेश करते हैं और कितनी निरंतरता बनाए रखते हैं। शेयर बाजार से जुड़े फंड्स में ऐतिहासिक रूप से लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देखने को मिले हैं, लेकिन अल्पकाल में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है। जो निवेशक 8–10 साल या उससे अधिक का धैर्य रखते हैं, उन्हें चक्रवृद्धि का वास्तविक लाभ मिलता है। छोटी रकम भी समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल सकती है। बशर्ते निवेश नियमित और दीर्घकालिक हो।

जल्दी अमीर बनने का शॉर्टकट नहीं

हालांकि, यह समझना भी जरूरी है कि एसआईपी ‘जल्दी अमीर बनने’ का शॉर्टकट नहीं है। बाजार में गिरावट आएगी, रिटर्न कभी ज्यादा तो कभी कम होंगे। जो लोग कुछ महीनों में चमत्कार की उम्मीद करते हैं, वे अक्सर निराश होते हैं। असली ताकत अनुशासन और समय में छिपी है, न कि तात्कालिक मुनाफे में। जोखिम, रणनीति और समझदारी का संतुलन एसआईपी बाजार से जुड़ा निवेश है, इसलिए इसमें जोखिम भी शामिल है। यह फिक्स्ड डिपॉजिट या पीपीएफ की तरह पूरी तरह सुरक्षित विकल्प नहीं है। सही फंड का चयन, अपने जोखिम स्तर की पहचान और निवेश लक्ष्य की स्पष्टता बेहद जरूरी है। यदि आपका लक्ष्य 10-15 साल दूर है जैसे रिटायरमेंट या बच्चों की पढ़ाई तो इक्विटी आधारित फंड उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन कम अवधि के लक्ष्य के लिए संतुलित या डेट फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

बाजार गिरने पर घबराएं नहीं

बाजार गिरने पर घबराहट में एसआईपी रोक देना सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। दरअसल, गिरावट के समय कम कीमत पर अधिक यूनिट मिलती है, जो बाजार सुधरने पर बेहतर रिटर्न दे सकती हैं। यही ‘रूपीकॉस्ट एवरेजिंग’ का फायदा है। इसलिए समझदारी यही है कि उतार-चढ़ाव को निवेश यात्रा का हिस्सा मानें। एक और आम गलती है बहुत सारे फंड में निवेश कर देना। अलग-अलग सलाह के चक्कर में पोर्टफोलियो इतना जटिल हो जाता है कि निगरानी मुश्किल हो जाती है। बेहतर है कि अपने लक्ष्य के अनुसार सीमित और संतुलित फंड चुनें। गुणवत्ता पर ध्यान दें, संख्या पर नहीं। एसआईपी की एक बड़ी खूबी लचीलापन भी है। आपकी आय बढ़े तो निवेश राशि बढ़ा सकते हैं, जरूरत पड़े तो घटा या रोक भी सकते हैं। यह कोई कठोर अनुबंध नहीं है। लेकिन बार-बार बदलाव से बचना चाहिए; रणनीति सौच-समझाकर तय करें।

यह जानना जरूरी

एसआईपी आपको रतौरात अमीर नहीं बनाएगी, लेकिन समय, अनुशासन और सही रणनीति के साथ यह मजबूत संपत्ति निर्माण का प्रभावी साधन बन सकती है। समझदारी से किया गया निवेश, धैर्य और लक्ष्य-आधारित योजना यही वह सूत्र है जो सामान्य आय वाले व्यक्ति को भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकता है। अमीरी केवल बड़ी कमाई से नहीं, बल्कि सही निवेश आदतों से भी आती है।

सस्ती किस्तों का जाल : क्या सच में ‘नो कॉस्ट’ है ईएमआई ईएमआई में नहीं दिखता ब्याज, लेकिन कीमत बदल जाती है

एक उदाहरण से समझिए	
►मान लीजिए आप 60,000 रुपये का स्मार्टफोन खरीदना चाहते हैं। ►फुल पेमेंट पर ऑफर: 5,000 रुपये का सीधा डिस्काउंट ►अंतिम कीमत: 55,000 रुपये ►अब आप नो कॉस्ट ईएमआई चुनते हैं डिस्काउंट घटकर 2,500 रुपये रह जाता है ►नई कीमत: 57,500 रुपये ►आपने शुरुआत में ही 2,500 रुपये ज्यादा दे दिए। ►अगर इसमें 499 प्रोसेसिंग फीस और उस पर 18% जीएसटी जोड़ दें, तो कुल खर्च लगभग 58,000 रुपये से ऊपर पहुंच सकता है। ►दिखने में ईएमआई आसान थी, लेकिन कुल भुगतान बढ़ चुका है।	
सबसे बड़ा धम है: ईएमआई	
►सुविधा=सस्ता सौदा ►असल में ईएमआई सिर्फ भुगतान को छोटे हिस्सों में बांटती है। खर्च कम नहीं करता। ►छोटी ईएमआई दिमाग पर दबाव कम डालती है। एकमुश्त 55,000 देने से ज्यादा आसान लगता है 4,800 रुपये की मासिक किस्त देना। लेकिन कुल रकम का हिसाब अक्सर नजरअंदाज हो जाता है। ►यह मनोवैज्ञानिक प्रभाव है—छोटे नंबर कम डराते हैं। ►छिपे हुए चार्ज जिन पर कम ध्यान जाता है	
ये अतिरिक्त खर्च संग्रह	
►प्रोसेसिंग फीस : 199 से 999 रुपये या उससे अधिक ►जीएसटी : प्रोसेसिंग फीस या ब्याज वाले हिस्से पर 18% ►ईएमआई कन्वर्जन चार्ज	



- लेट पेमेंट पेनल्टी (यदि किस्त समय पर न भरी जाए)
- ये सभी बातें अक्सर शर्तों में छिपी होती हैं, प्रोडक्ट पेज पर बड़े अक्षरों में नहीं लिखी होती।
- तुलना: फुल पेमेंट बनाना नो कॉस्ट ईएमआई
- भुगतान तरीका दिखने वाली कीमत संगणित असली खर्च
- फुल पेमेंट 55,000 55,000
- नो कॉस्ट ईएमआई 57,500 58,000+
- यह अंतर छोटा लग सकता है, लेकिन महंगे इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर या एसी जैसे उत्पादों में यह हजारों रुपये तक पहुंच सकता है।

कब नो कॉस्ट ईएमआई सही विकल्प

- हर बार नो कॉस्ट ईएमआई गलत नहीं होती। कुछ परिस्थितियों में यह उपयोगी हो सकती है। आपके पास पूरी रकम उपलब्ध नहीं है। ईएमआई लेने से डिस्काउंट कम नहीं हो रहा। प्रोसेसिंग फीस शून्य है। आप कैश पेमेंट के लिए भुगतान फैलाना चाहते हैं। अगर इन शर्तों में से अधिकतर पूरी होती हैं, तो ईएमआई एक व्यावहारिक विकल्प हो सकता है।

निवेश के नजरिए से

व्यक्तिगत वित्त का एक मूल सिद्धांत है खर्च से पहले गणित करें। यदि आपके पास पर्याप्त बचत है और आप फुल पेमेंट कर सकते हैं, तो अक्सर वह सस्ता विकल्प होता है। ईएमआई चुनने से पहले यह सोचें।

सोचें क्या यह जरूरत है

- क्या ईएमआई के कारण मैं अतिरिक्त खर्च कर रहा हूँ?
- क्या मैं कई ईएमआई का बोझ एक साथ उठा रहा हूँ?
- कई बार लोग एक साथ 3-4 ईएमआई ले लेते हैं। छोटी-छोटी किस्तें मिलकर बड़ी मासिक देनदारी बन जाती हैं।

मार्केटिंग बानाम समझदारी

आज का ई-कॉमर्स माहौल भावनात्मक फैसले लेने को प्रेरित करता है। अभी खरीदे, बाद में भुगतान करें। लेकिन समझदार खरीदार पहले कैलकुलेशन करता है, फिर निर्णय लेता है। नो कॉस्ट ईएमआई धोखा नहीं है, लेकिन अश्ली जानकारी नुकसान में बदल सकती है। नो कॉस्ट ईएमआई सुविधा देती है, लेकिन हर सुविधा की एक कीमत होती है चाहे वह सीधी दिखे या छिपी हुई हो। इसलिए पहले पूरा गणित समझें, कुल भुगतान जोड़ें, और फिर फैसला करें। क्योंकि समझदारी से किया गया खर्च ही असली बचत है।

कुछ साल पहले तक वर्क फ्रॉम होम के बारे में कम ही लोग जानते थे। लेकिन आज कंडीशन इससे भी एक कदम आगे बढ़कर वर्क फ्रॉम एनीवेयर तक पहुंच चुकी है। कई सर्विस सेक्टर ऐसे हैं, जिसमें यह वर्क मोड खूब पॉपुलर हो चुका है। इस मोड के अनेक फायदे हैं तो कुछ कमियां भी हैं। इन सबके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

कवर स्टोरी / कीर्तिशेखर

करीब पांच वर्ष पहले कोरोना महामारी ने कार्यशैली में जिस बदलाव को मजबूरी में शुरू कराया था, वह अब स्थायी जीवनशैली का विकल्प बनता जा रहा है। पहले सवाल था- क्या घर से काम करना संभव है? अब सवाल बदल चुका है- क्यों न कहीं से भी काम किया जाए? इसी सवाल से जन्म होता है, वर्क फ्रॉम एनीवेयर की अवधारणा का यानी, ऐसा काम जिसे करने के लिए न तो ऑफिस की दीवारें जरूरी हैं, न किसी तय शहर की सीमा, बस आपका अपना लैपटॉप हो, इंटरनेट कनेक्शन हो और थोड़ी-सी मानसिक एकाग्रता, इसके बाद कहीं पर भी आप अपना ऑफिस वर्क शुरू कर सकते हैं।

ऐसे बदलती गई कार्यशैली: वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को यह सिखाया कि जरूरी नहीं कि हर काम मीटिंग रूम या ऑफिस डेस्क पर ही बैठकर किया जाए। इस अवधारणा ने यह भी बताया कि प्रोडक्टिविटी का मतलब केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। आउटपुट ज्यादा मायने रखता है। इसके बाद लोगों ने महसूस किया कि अगर घर से काम करना संभव है, तो फिर इंटरनेट की बदौलत कहीं से भी काम करना संभव है। कोरोना और उसके बाद से ही लोगों ने घूमने गए हिल स्टेशनों, समुद्र किनारे या शहर से अपने गांव जाकर घर के एक कोने में बैठकर देश-विदेश की मल्टीनेशनल कंपनियों का काम करने लगे। यहीं से वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट व्यवहार में उतरा।

इसलिए चुन रहे यह तरीका: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट पॉपुलर होने की कई वजहें हैं। महानगरों में भीड़ बहुत बढ़ती जा रही है। भारी-भरकम किराए के बाद ही किराए का मकान मिलता है, बल्कि वहां ज़िंदगी भी बहुत मुश्किल भरी हो जाती है। ऑफिस आने-जाने में रोज ट्रैफिक जाम से पाला पड़ता है। परिवार साथ न होने की वजह से खाने की समस्या होती है। घर और परिवार से दूर रहने के कारण हर समय मानसिक अशांति रहती है। इस तरह काम तो होता है, पर जीवन बेचैन रहता है। इसलिए युवाओं का कहना है कि अब वो जीवन के लिए काम करना चाहते हैं, काम के लिए जीवन की हायतौबा नहीं झेलना



स्टेशन में कोई समस्या आ गई, तो तब तक काम वहीं कर पाएंगे, जब तक घर कोई मैकेनिक आकर समस्या हल न करे।

- ▶ घर से काम करने के लिए लगातार तकनीक में भी माहिर होते रहना जरूरी है।
- ▶ घर से काम करते समय लगातार उत्साह बनाए रखना भी जरूरी है ताकि अपना नियमित रूटीन सही से पूरा कर सकें।



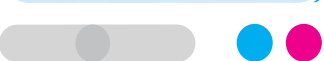
मोहब्बत में जो लिखता है
अंधेरे में भी दिखता है

वहां कुछ फूल खिलते हैं
जहां वो पांव टिकता है

जिसे सब इश्क कहते हैं
सर-ए-बाजार बिकता है

फकत रोटी नहीं सिकती
तवे पर दिल भी सिकता है

महकता फूल लिखना था
उसी को ख़ार लिखता है



कहीं से भी काम करने की आजादी

वर्क फ्रॉम एनीवेयर



चाहते। नतीजा यह है कि नई पीढ़ी के बहुत से लोग वर्क फ्रॉम एनीवेयर का विकल्प बड़ी सहजता से चुन रहे हैं, क्योंकि यह विकल्प उन्हें भरपूर आजादी का एहसास कराता है।

इस कॉन्सेप्ट का मेन टार्गेट: वर्क फ्रॉम एनीवेयर के बारे में इस बात को समझना जरूरी है कि इसका मतलब डिजिटल घुमक्कड़ी नहीं है, न ही इसका मतलब है कि कहीं भी घूमते-फिरते रहें और जब मौका मिले या मन करे तो काम कर लें। अगर इस धारणा का मतलब यह हो जाएगा, तब तो काम करना प्राथमिकता नहीं रह जाएगा। प्रोफेशनल्स के लिए उनका वर्क बहुत मायने रखता है। ऐसे में इंटरनेट ने बौद्धिक काम करने वाले लोगों को यह सुविधा तो दी ही है कि अगर हिल स्टेशन पर घूमने जाएं, तो समय निकालकर वहां से भी अपना काम कर सकें। मां-बाप के पास गांव जाएं तो वहां भी साथ अपना काम लेकर जाएं और कहीं किसी जरूरी यात्रा पर निकल रहे हों तो भी



अपना काम अपने साथ रख सकते हैं।

इन फील्ड्स में है सफल यह मॉडल: वर्क फ्रॉम एनीवेयर का कॉन्सेप्ट सर्विस सेक्टर में ही संभव है कि आप कहीं से भी अपनी विशेषज्ञता संबंधी सेवाएं अपने नियोक्ता को दे सकें। हर काम वर्क फ्रॉम एनीवेयर के ढांचे में फिट नहीं होता है। बहरहाल, जो काम इस मोड में सही से किए जा सकते हैं, वो क्षेत्र हैं- आईटी और सॉफ्टवेयर, डिजिटल मार्केटिंग, एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग, डिजाइनिंग, ऑनलाइन टीचिंग, कस्टमर सपोर्ट-कंसल्टेंसी, एचआर असिस्टेंस और फाइनेंस एनालिसिस भी इस वर्क पैटर्न से संभव है। दूसरे शब्दों में जिन कामों में फिजिकल उपस्थिति या मशीनरी की मौजूदगी की जरूरत नहीं होती, उन क्षेत्रों में यह मॉडल तेजी से अपनाया जा रहा है।

एप्लॉई-एप्लॉय्यर दोनों खुश: कंपनियां इसलिए इस मॉडल को स्वीकार कर रही हैं, क्योंकि इससे उनको भी फायदा है। इससे



ही वहां दफ्तर जैसा माहौल बनाने की सुविधा हो। इसके अलावा सेल्फ डिसिप्लिन भी जरूरी होता है। कुछ लोग जब खुद नियंत्रण लेना होता है, तो कंसंट्रेट होकर काम नहीं करते। ऐसे काम करने के तरीके से कई प्रोफेशनल्स का निजी जीवन डिस्टर्ब हो जाता है, वे ऑफिस वर्क में बहुत समय देने लगते हैं। इसलिए बहुत सारे लोग शुरू-शुरू में यह फॉर्मूला अपनाते हैं, लेकिन जल्द ही ऊब कर ऑफिस आने लगते हैं। क्योंकि घर में काम करते हुए उनके वर्किंग ऑवर बहुत बढ़ जाते हैं। वर्क फ्रॉम एनीवेयर करते समय भले तनाव कम होता हो, आजादी खूब महसूस होती हो, लेकिन सामाजिक संपर्क से कट जाते हैं और अकेलेपन की आशंका से घिर जाते हैं। इसलिए कई बार कहीं से भी काम करने की सुविधा का नुकसान मानसिक रूप से बीमार होने के रूप में सामने आता है। इसलिए लोग अब हाइब्रिड मॉडल को बेहतर मान रहे हैं यानी चार दिन घर में और दो दिन दफ्तर में काम करना, सही संतुलन है। हां, महिलाओं को जरूर काम करने की इस शैली का फायदा मिलता है, क्योंकि इसके चलते उन्हें होम मेकिंग और करियर में संतुलन बनाने में मदद मिलती है। *

वर्क फ्रॉम एनीवेयर के लिए जरूरी सुविधाएं

- ▶ घर में तेज रफ़्तार इंटरनेट कनेक्शन होना जरूरी है।
- ▶ घर में लैपटॉप के साथ बैकअप पावर की सुविधा होना जरूरी है।
- ▶ घर में काम करने के लिए ऑफिस जैसे स्थान का होना जरूरी है।
- ▶ रोज सुबह अनुशासित ढंग से पैरार होकर दफ्तर की तरह काम करना जरूरी है।
- ▶ घर से काम करते समय कंप्यूटर और साइबर सिक्योरिटी का ज्ञान भी जरूरी है। अगर कंप्यूटर की बेसिक समझ नहीं है तो कभी-भी अगर लैपटॉप या वर्क

मेरे घर आ धमकने का पड़ोसी महोदय को बस बहाना चाहिए।
कभी चीनी, कभी टमाटर, कभी धनिया पत्ती तो कभी मिर्च गोलकी
मांगने चले आते हैं। गोया मेरा घर नहीं, कोई धर्मशाला हो।

प्रभु बचाए ऐसे पड़ोसी से



पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

दो दिलों की खत-ओ-किताबत

गजलों-नज्मों का शायद ही कोई ऐसा कद्रदान होगा, जो फैज अहमद फैज के नाम से नावाकिफ हो। अपनी शायरी में इंकलाबी तेवर और हुकूमत की बंदिशों को चुनौती देने वाले फैज के भीतर एक नाजुक दिल पति और बेहद जज्बाती पिता भी मौजूद था, इसकी बानगी उनके द्वारा लिखे उन खतों में दिखती है, जिनको उन्होंने कैद के दौरान अपनी पत्नी और बच्चों को लिखे थे। हाल में छपकर आई किताब ‘सुखन तुम्हारे’ में फैज के द्वारा लिखे गए 135 खत और उनकी पत्नी एलिस के द्वारा लिखे गए 178 खतों को संकलित किया गया है। वर्ष 1951 में पाक सरकार

द्वारा गैर कानूनी तौर पर गिरफ्तार किए गए फैज, करीब चार वर्ष तक जेल में रहे। इस दौरान फैज और एलिस के बीच हुई खत-ओ-किताबत का महत्व किसी ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है। यहां गौर करने वाली बात है कि फैज की गिरफ्तारी ने उन्हें बेबस नहीं और मजबूत बना दिया था। 17 जुलाई 1952 को लिखे खत में वह कहते हैं, ‘यह जख्म बहुत अचानक, बहुत बेसबब लगा है लेकिन इसे सहने का बल मुझमें है। और इसके सामने भी मेरा फिर नहीं झुकेगा।’ 24 अगस्त 1954 को एलिस, फैज को लिखे खत में भीगे जज्बातों से उनकी गैरमौजूदगी को महसूस करती हैं, ‘जब मौजू ने केक काटा, उसने अपना मुंह बना लिया। आंखें बंद कीं और उस चीज की दुआ मांगी, जिसके लिए हम सब मांग रहे थे- खुदा तुम्हें हमारे पास घर भेज दें।’ कह सकते हैं इस किताब में एक इंकलाबी शायर और उनकी पत्नी के व्यक्तित्व का बिल्कुल नया पहलू हमारे सामने उजागर होता है। *

आज के दौर में जीवन को सुविधाजनक बनाने वाला मोबाइल बेशुमार लोगों को अपना लती भी बना रहा है। इसके दुष्प्रभावों से बचने के लिए अब लोग तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।



मोबाइल एडिक्शन से बचने के लिए आजमाए जा रहे तरह-तरह के उपाय

टेक्नोलॉइफ लोकमित्र गौतम

हर सुबह आंख खुलते ही मोबाइल। रात में सोते समय आखिरी नजर तक मोबाइल। दिन में बीच-बीच में सैकड़ों बार स्क्रीन चेक करना। अब ये किसी व्यक्ति विशेष की आदत नहीं बल्कि ज्यादातर लोगों की लाइफस्टाइल बन गई है। अब मोबाइल में नोटिफिकेशन देखना याद नहीं रखना पड़ता। लोगों की यह स्वतः आदत बन गई है। लेकिन इसी दौर में कुछ और भी दिलचस्प और विरोधाभासी बातें भी हो रही हैं। एक टैंड बहुत तेजी से उभर रहा है और यह है मोबाइल से दूरी बनाने का। नहीं, लोग तकनीक छोड़ नहीं रहे बल्कि उसके साथ नई-नई शक्तों के तहत रिश्ता तय कर रहे हैं। कोई नोटिफिकेशन बंद कर रहा है, कोई फोन पर स्केल पर डाल रहा है, कोई डंब फोन खरीद रहा है, तो कोई रविवार को मोबाइल अलमारी में बंद करके उसमें ताला लगा देता है। मोबाइल को लेकर उसके पक्ष और उसके विरोध में एक से बढ़कर एक आंदोलन का ध्यान खींच रही हैं।

क्यों छोड़ना चाहते हैं फोन: हाल के कुछ सालों में ऐसे कई अनुभव सामने आए हैं, जिससे पता चलता है कि मोबाइल लोगों का ध्यान बहुत जल्दी भटका देता है। यह भी महसूस किया गया है कि लगातार मोबाइल का इस्तेमाल करने से अधुरेपन का एहसास बढ़ जाता है। मोबाइल की लत लग जाए, तो कब देखते ही देखते टाइम फुर् हो जाता है, पता ही नहीं चलता। इन सबके अलावा हाल के सालों में बिना कुछ किए लोगों को एक ऐसी थकान जकड़ रही है, जो जानकारों के मुताबिक मोबाइल की देन है। ऐसे ही और भी अनेक कारण हैं, जिसके चलते अब लोग मोबाइल से अगर पूरी तरह से नहीं, तो बीच-बीच में कुछ समय तक के लिए पिंड छुड़ाना चाहते हैं। इसलिए इन दिनों लोग मोबाइल से दूर रहने के लिए तरह-तरह के उपाय आजमा रहे हैं। इनमें से कुछ के बारे में बता रहे हैं।

नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म: बहुत से लोग अब सिर्फ कॉल और जरूरी एप्स के नोटिफिकेशन ही चालू रखते हैं। व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया लाइक और ई-मेल अलर्ट, सब कुछ लोग बंद कर रहे हैं। इस कारण फोन हाथ में लेने की अपने आप जरूरत कम रह जाती है। ऐसे उपाय अपनाने वाले लोग बताते हैं- जहां वह पहले 125 से 150 बार तक

स्क्रीन अनलॉक करते थे, वहीं ऊपर बताए गए उपाय यानी नोटिफिकेशन मिनिमलिज्म के बाद अब ये संख्या घटकर 40 से 50 बार रह गई है।

ग्रे स्केल मोड: इसका मतलब है फोन की रंगीन स्क्रीन को ब्लैक एंड व्हाइट में बदल देना। फोन की दुनिया काली-सफेद होते ही लोगों का रील्स में आकर्षण घट जाता है और स्कॉल करने का मन ही नहीं रह जाता। यह एक छोटा-सा उपाय है, लेकिन इसके बेहद असरदार मनोवैज्ञानिक नतीजे हासिल होते हैं। इसके साथ ही कुछ लोग अपने फोन में डाउनलोड किए गए हर मीडिया एप के लिए दिन में 20 से 30 मिनट की लिमिट तय कर देते हैं और लिमिट खत्म होते ही यह एप अपने आप ही लॉक हो जाते हैं, जिससे इनसे मुक्ति मिल जाती है। ये उपाय



शुरू में तो झुंझुलाहट पैदा करता है, मगर 3-4 दिन के बाद इसकी आदत बन जाती है।

फोन मुक्त दिन की शुरुआत: कुछ लोग इन दिनों सुबह जगने के बाद एक से दो घंटा तक बिल्कुल मोबाइल के पास नहीं जाते, इस दौरान उनका मोबाइल स्विच ऑफ रहता है। जब तक मोबाइल स्विच ऑफ रहता है, वे फ्रेश होते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, एक्सरसाइज का अपना रूटीन खत्म करते हैं या ऐसा कुछ नहीं भी करते हैं तो इस दौरान सिर्फ खिड़की या बालकनी से बाहर झांकते हैं। जो लोग ये उपाय आजमा रहे हैं, उनका अनुभव बताता है कि इससे पूरा दिन शांति महसूस होती है।

सोशल मीडिया फास्टिंग: कुछ लोग सोशल मीडिया फास्टिंग का उपाय भी आजमा रहे हैं। फोन से दूर रहने का यह एक और उपाय है। इसके चलते जैसे कुछ लोग धार्मिक रूप से हफ्ते में किसी एक या दो दिन उपवास रखते हैं। लगभग उसी तरह इस प्रयोग के तहत लोग हफ्ते में एक दिन या 15 दिन में एक दिन फोन से पूरी तरह से दूर रहने का उपाय आजमाते हैं।

बेडरूम से बाहर फोन: कुछ लोग अपने फोन को बेडरूम से बाहर रखकर सोते हैं। इस तरह फोन को बेडरूम से बाहर रखने के बहुत फायदे मिलते हैं। इससे नींद बेहतर आने लगती है। रात की स्कॉलिंग खत्म हो जाती है। *



मानसिक स्वास्थ्य के लिए है जरूरी

लोग इस बात को गंभीरता से समझने लगे हैं कि फोन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण उनकी आंखों पर ही नहीं, ध्यान लगाव की क्षमता पर, भावनात्मक स्थिरता पर और यहां तक कि आत्मसंतोष की अनुभूति पर भी जबरदस्त असर पड़ने लगा है। मोबाइल से दूर रहना एक तरह से खुद के पास होने जैसा है। क्योंकि जो लोग बहुत ज्यादा फोन इस्तेमाल करते हैं, उन लोगों के अनुभव बताते हैं कि वो जितना ही ज्यादा फोन में रहते हैं, उतना ही ज्यादा अकेलापन महसूस करते हैं। ऐसे में इससे दूरी बनाने की आदत मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाती है।

लघुकथा / डॉ. रंजना जायसवाल

खो या-पाया कैप में उस बूढ़े बाबा को बैठे छह घंटे हो गए थे। रात गहराती जा रही थी। अभी तक उन्हें कोई दूंदने भी नहीं आया था। बाबा की आंखें एक आशा के साथ हर आदत के साथ दरवाजे तक जातीं, लेकिन वह निराश होते। कैप के कर्मचारी की इयूटी बदलने का समय हो गया था। नए कर्मचारी ने पानी का गिलास पकड़ाते हुए बाबा से पूछा, ‘आप कहां से आए हैं?’

‘बेटा काफी दूर से आए हैं।’

‘कुछ नाम तो होगा।’

‘नाम...’ बाबा ने याद करने की कोशिश की।

‘किसके साथ आए हैं?’

‘कलुवा, हमारा इकलौता बेटा’

‘कुंभ नहाए आए थे?’

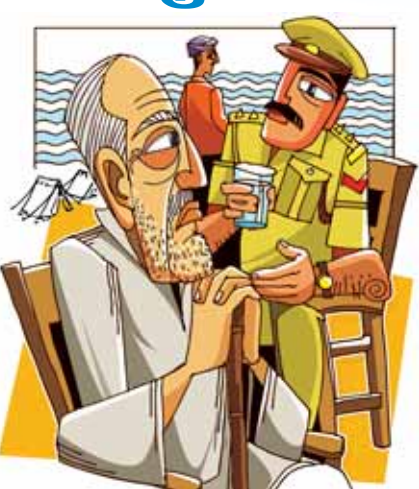
‘हमार बेटवा ब्याह के दस बरस के बाद पैदा हुआ था। उसकी अम्मा मन्नत की रही, गंगा मैया को साड़ी चढ़ाएगी पर परमात्मा को कुछ और भी मंजूर था। अब जड़बे तब जड़बे करते-करते बख्त निकल गया। उसकी अम्मा ने मरते बख्त कसम ली थी। बचुवा के साथ मन्नत उतारे आए रहे। कुंभ नहाए लेब और मन्नत भी उतार देब।’

‘बेटा कहां है बाबा?’

‘हमसे बोला कुछ खाए का सामान लेने जाए रहे। इहां बैठे रहो हम अबही आत है।’

‘फिर?’

‘हमको बैठाकर पता नहीं कहां चला गया? पुलिस वाले हमको इहां पहुंचा गए।’



बेचारा कितना परेशान हो रहा होगा। बाबा की आंखों में अपने बेटे कलुवा के लिए चिंता उभर आई। कर्मचारी समझ चुका था, बीते कुछ दिनों में बाबा जैसे न जाने कितने लोग अपनी की तलाश और इंतजार में भटक रहे थे। ‘बाबा, दस बार माइक पर कलुवा का नाम पुकारा जा चुका है। फोन नंबर याद है उसका?’

‘फोन?’

‘वापसी कब थी?’

‘छ: बजे की टर्रे थी।’

‘पर बाबा अब तो नौ बज रहे हैं।’

‘नौ!’ बाबा की आंखों के जुगनू धूप पड़ गए।

‘कलुवा आता ही होगा। हमें लिए बिना कैसे जाएगा?’

बाबा ने धीरे से बुदबुदाया। सामने गंगा मैया मंद-मंथर गति से बह रही थी। वह एक और पाप की साक्षी थी। जिसे कोई डुबकी धुल नहीं सकती थी। *

टी20 क्रिकेट : भारत ने दी ऑस्ट्रेलिया को 17 रन से शिकस्त

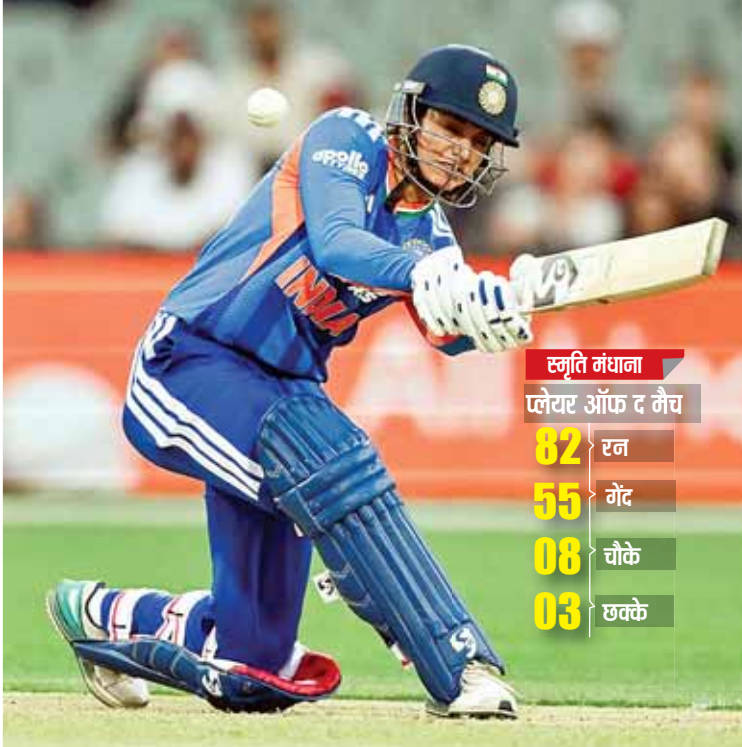
10 साल बाद भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में जीती सीरीज, स्मृति रही प्लेयर ऑफ द मैच

एजेसी ►► एडीलेड

भारत ने उप कप्तान स्मृति मंधाना (82 रन) और करिश्माई बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (59 रन) के बीच शतकीय साझेदारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को निर्णायक तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 17 रन से शिकस्त देकर इस मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक दशक में पहली द्विपक्षीय टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला अपने नाम की। स्मृति को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मंधाना (55 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के) और रोड्रिग्स (46 गेंद में चार चौके) ने मिलकर 121 रन की साझेदारी निभाकर भारत को 6 विकेट पर 176 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी की, जिसमें युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल (22 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाजी की अगुआई करने वाली रेणुका सिंह (29 रन देकर एक विकेट) ने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए स्कोर तीन विकेट पर 32 रन कर दिया। इन शुरुआती झटकों ने भारत के दबदबे भरे प्रदर्शन की शुरुआत की और अंत में उसने मेजबान टीम को 20 आवे में 9 विकेट पर 159 रन पर रोककर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 2-1 से यादगार जीत दर्ज की। इस तरह भारत ने 2016 के बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती। बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचरणी (32 रन देकर 3 विकेट) ने भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाते हुए तीन विकेट प्राप्त किए।

स्मृति और जेमिमा के बीच शतकीय साझेदारी



ऑस्ट्रेलियाई टीम 159 रन पर सिमटी

इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 9 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। मेजबान टीम को 19 के स्कोर पर जॉर्जिया वोल (10) के रूप में झटका लगा, जिसके बाद इस टीम ने 63 के स्कोर तक 4 विकेट खो दिए। यहां से फोएबे लिचफील्ड (26) ने एशले गार्डनर के साथ चौथे विकेट के लिए 31 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 98 के स्कोर तक पहुंचाया, जिसके बाद गार्डनर ने जॉर्जिया वेयरहम (12) के साथ 35 रन, जबकि एनाबेल सदरलैंड (14) के साथ 30 रन जुटाते हुए टीम को जीत दिलाते की कोशिश की, लेकिन ये प्रयास नाकामी रहे। एशले गार्डनर 45 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 57 रन बनाकर आउट हुई।

मंधाना ने खेली शानदार पारी

मंधाना 55 गेंदों में 3 छक्कों और 8 चौकों के साथ 82 रन बनाकर आउट हुई, जबकि जेमिमा रोड्रिगेज ने 46 गेंदों में 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 2 विकेट निकाले। किम गार्थ और सोफी मोलिन्यक्स ने 1-1 विकेट हासिल किया। मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा बनाया गया अपना ही छह साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले उन्होंने 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 37 गेंदों में 66 रन बनाए थे। अब 82 रन बनाकर उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी भारतीय महिला बल्लेबाज का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर दर्ज किया।



टी20 में जेमिमा के 2500 रन पूरे

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं। जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया। इसी के साथ रोड्रिगेज कप्तान कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना और सलामी बल्लेबाज शफाली वर्मा के बाद महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली चौथी भारतीय महिला बनीं।

एलिस पेरी ने रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज खिलाड़ी एलिस पेरी ने इतिहास रच दिया है। भारत के खिलाफ तीसरे टी20 में उतरने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के लिए 350 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। 2007 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा, पेरी से ज्यादा मैच सिर्फ दो महिला क्रिकेटरो ने खेले हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 357 और सूजी बेट्स ने 355 मैच खेले हैं। पेरी ने कहा, मेरे सामने कोई खास लैंडमार्क नहीं हैं। मैं बस यह अनुभव करना चाहती हूँ कि यह टीम क्या कर रही है और जब तक मैं इसमें योगदान दे रही हूँ और इसमें संयुक्ति पाती हूँ, तब तक मैं यहां रहना पसंद करूँगी।

खबर संक्षेप



संन्यास के 9 साल बाद रिग में उतरेंगे दिग्गज मेवेदर

लॉस एंजिल्स। दिग्गज मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर ने कहा है कि वह नौ साल के अपने संन्यास को समाप्त करके इस साल गर्मियों में प्रतिस्पर्धी मुक्केबाजी में वापसी करेंगे। मेवेदर ने 2017 के बाद से कोई पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबला नहीं लड़ा है। तब उन्होंने कॉनर मैकग्रेगर को हराया था। इस मुकाबले के बाद मेवेदर (50-0, 27 नॉकआउट) ने अपने करियर में तीसरी बार संन्यास की घोषणा की थी। पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन मेवेदर का रिग में कोई सानी नहीं है। उन्होंने अब तक हर पेशेवर मुकाबला जीता है। संन्यास लेने के बाद भी वह प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लेते रहे हैं। मेवेदर ने पहले ही इस साल 59 वर्षीय माइक टायसन के खिलाफ एक प्रदर्शनी मुकाबले की घोषणा कर दी थी।

हॉकी : भारत की वापसी की उम्मीदें टूटी, स्पेन से हारा होबार्ट। भारतीय टीम की एफआईएच पुरुष प्रो लीग में वापसी की उम्मीदें शनिवार को स्पेन से मिली 0-2 की हार से टूट गई। भारत अब रविवार को प्रो लीग के होबार्ट चरण के अपने दूसरे मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। भारतीय टीम की खराब फॉर्म जारी रही। स्पेन के लिए इम्नासियो अबाजो ने छठे मिनट और इम्नासियो कोबोस ने 36वें मिनट में गोल किए। स्पेन की टीम ने मौकों का फायदा उठाया जबकि भारत लगातार आक्रमण के बावजूद अच्छे मौकों को भुना नहीं पाया।

हमने अपने ग्रुप की टीमों को कम करके आंका: ब्रूक पाल्लेकल। इंग्लैंड के कप्तान हेरी ब्रूक ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका और कहा कि उनकी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंग्लैंड की टीम का ग्रुप चरण में प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा तथा उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा जबकि वेस्टइंडीज ने उसे हराया था।

जेनेसिस इनविटेशनल

भारतीय मूल के तीन गोल्फरों ने कट में बनाई जगह



एजेसी ►► लॉस एंजिल्स

भारतीय मूल के तीन गोल्फर आरोन राय, अक्षय भाटिया और साहित थीगाला पीजीए टूर के सत्र के दूसरे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट जेनेसिस इनविटेशनल में कट हासिल करने में सफल रहे।

पहले दौर में 66 का स्कोर बनाकर शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले राय ने दूसरे दौर में 70 का स्कोर किया और वह संयुक्त रूप से 12वें स्थान पर हैं। भाटिया (68-71) संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर हैं। राय ने दूसरे दौर में चार बोगी की और पांच बर्डी लगाईं। भाटिया ने तीन बर्डी और तीन बोगी जबकि थीगाला ने दो बोगी और तीन बर्डी की। मार्को पेज और जैकब ब्रिजमैन ने रिवेरा कंट्री क्लब में सात अंडर 64 का स्कोर बनाया, जिससे वे रॉरी मैकलॉराय के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं।

कट में जगह बनाने में सफल रहे अहलावत और शर्मा

नैरोबी। भारत के वीर अहलावत ने तीन अंडर 67 और शुभंकर शर्मा ने पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया, जिससे वे मैजिकल कानिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में कट में जगह बनाने में सफल रहे। अहलावत ने पहले दो दौर में 67-67 का स्कोर बनाया और वह छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 28वें स्थान पर हैं। शर्मा ने दूसरे दौर में शानदार प्रदर्शन किया तथा छह बर्डी और एक बोगी करके पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया। दो दिनों के बाद उनका कुल स्कोर चार अंडर पर है और वह संयुक्त 55वें स्थान पर हैं। भारत के एक अन्य गोल्फर युवराज संधू 69-71 के स्कोर के साथ कट से चूक गए।



1-15 मार्च तक होने वाले टूर्नामेंट में विलियम्स एकल और डबल्स में लेंगी हिस्सा

45 की वीनस फिर कोर्ट पर, इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिग्गज अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी और 7 बार की वैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को इस साल के इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। टूर्नामेंट के आयोजकों ने वीनस को वाइल्ड कार्ड एंट्री दिए जाने की पुष्टि की है। 1-15 मार्च तक दक्षिणी कैलिफोर्निया में होने वाले इस टूर्नामेंट में वीनस विलियम्स एकल और डबल्स दोनों



कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा

वाइल्ड कार्ड एंट्री मिलने से उत्साहित वीनस विलियम्स ने कहा, "इंडियन वेल्स वापस जाना और कैलिफोर्निया में अपने घर लौटना बहुत अच्छा है। जबरदस्त फैस के सामने खेलने जैसा कुछ नहीं है। मैंने इतने सालों में यहां बहुत सारी यादें बनाई हैं। मैं आयोजकों की शुक्रगुजार हूँ कि उन्होंने मुझे वापस बुलाया।" पूर्व वर्ल्ड नंबर वन और चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट विलियम्स ने पहले भी इंडियन वेल्स में काफी सफलता हासिल की है। वह तीन बार सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। आखिरी बार 2024 में वाइल्ड कार्ड एंट्री के माध्यम से ही उन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी मिली थी वाइल्ड कार्ड एंट्री

45 साल की विलियम्स ने 2026 का कैपेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से शुरू किया था। उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी। हालांकि, वह पहले दौर से ही बाहर हो गई थीं, लेकिन ओपन एरा में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होने का रिकॉर्ड उन्होंने अपने नाम कर लिया। विलियम्स ने शुरुआती सेट में कड़ा मुकाबला जीता, लेकिन दूसरे सेट में डैनिलोविच ने बैकलाइन से वापसी की। सर्बियाई खिलाड़ी ने डियाइडर में भी अपना नियंत्रण बनाए रखा, और अहम मौकों पर विलियम्स की सर्विस तोड़कर मैच अपने नाम कर लिया। हार के बावजूद, विलियम्स ने नौ एस और फर्स्ट-सर्व पाइंट्स पर 71 प्रतिशत सफलता दर से सबको प्रभावित किया। हालांकि पांच डबल फॉल्ट महंगे साबित हुए। पिछले साल, वह पाटनर लेखला फर्नांडीज के साथ यूएस ओपन डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं। इंडियन वेल्स टूर्नामेंट में वीनस के प्रदर्शन पर दुनियाभर के टेनिस फैंस की नजर रहेगी।

यह जीत काफी मायने रखती है : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, 'यह जीत काफी मायने रखती है। यह टीम प्रयास का नतीजा है। यह देखकर अच्छा लगा कि हर कोई योगदान दे रहा है। हर साझेदारी अहम है। गेंदबाजों को भी अपना काम बखूबी पता था कि विकेट लेने पर ही मैच जीतेंगे और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया।'



गलत समय पर गंवाए अहम विकेट: सोफी

आस्ट्रेलिया की कप्तानी सोफी मोलिनू ने कहा, 'यह अच्छी विकेट थी लेकिन हमने गलत समय पर अहम विकेट गंवा दिए। हम एलिस पेरी को उसके 350वें मैच में जीत का तोहफा नहीं दे सके, जिसका दुख है।'



जेमिमा से लय हासिल करने में मिली मदद

एडीलेड। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि जेमिमा रोड्रिग्स के साहसी रवैये से उन्हें धीमी शुरुआत के बाद लय हासिल करने में मदद मिली। मंधाना ने कहा, 'जब वह आई तब मैं 16 गेंद पर 15 रन बनाकर खेल रही थी। उसने आकर तीन चार चौके लगाए और मुझे लय हासिल करने के लिए समय मिल गया।' उन्होंने कहा, 'ये छोटी छोटी चीजें हैं जिन पर ध्यान नहीं जाता लेकिन युझे लगता कि उसके आकर दो तीन चौके लगाने से युझे लय हासिल करने में मदद मिली। लिहाजा इसका श्रेय उसे जाता है।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को हराना बड़ी उपलब्धि है लेकिन टीम की नजर अब ब्रिसबेन में मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला पर है। मंधाना ने कहा, 'श्रृंखला जीतने में योगदान देना अच्छा रहा। आस्ट्रेलिया को आस्ट्रेलिया में हराना खास है।'



सुपर-8 : रणनीति में बदलाव के बाद सूर्या और तिलक पर दारोमदार

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की भिड़ंत आज शाम 7 बजे से

एजेसी ►► अहमदाबाद

ग्रुप चरण में अपने चारों मैच जीतकर खिताब बचाने की अपनी दावेदारी को मजबूत करने वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप के सुपर आठ में रविवार को दक्षिण अफ्रीका की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसमें कप्तान सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की बड़े शॉट खेलने के बजाय स्थिर बल्लेबाजी करने की बदली हुई रणनीति की परीक्षा होगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम के पास कागिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, केशव महाराज और एडन मार्क्रम के रूप में मजबूत गेंदबाजी आक्रमण है, जो मौजूदा चैंपियन भारत की कड़ी परीक्षा लेने के लिए तैयार है। दोनों टीमों पिछले दो महीनों में छठी बार एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी और यह देखना बाकी है कि रविवार को कौन सी टीम परिस्थितियों का बेहतर फायदा उठाएगी।



भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

भारतीय टीम को ग्रुप चरण में खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा लेकिन वह इस बात से अच्छी तरह वाकिफ है कि उसकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन (दो अर्धशतक और 202 का स्ट्राइक रेट) को छोड़कर शीर्ष चार में शामिल अन्य तीन बल्लेबाजों ने अभी तक कोई खास कमाल नहीं दिखाया है। अभिषेक शर्मा लगातार तीन मैच में शून्य पर आउट हो चुके हैं और उन्हें टूर्नामेंट में अपने पहले रन का इंतजार है। सूर्यकुमार और तिलक ने हालांकि सूत्रधार की भूमिका निभाई है लेकिन इन दोनों ने ऐसी पियों पर सहज प्रदर्शन नहीं किया है, जहां गेंद रुककर आ रही हो। भारत रन बनाने के लिए हार्दिक पंड्या (स्ट्राइक रेट 155) और शिवम दुबे (स्ट्राइक रेट 178) पर भी काफी हद तक निर्भर रहा है।

इंडियन ओपन रेस वॉक : बाबू और मंजू ने जीते स्वर्ण पदक

चंडीगढ़। उत्तर प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय एथलीट राम बाबू और पंजाब की मंजू ने इंडियन ओपन रेस वॉक (पैदल चाल) प्रतियोगिता के पहले दिन क्रमशः पुरुष और महिला फुल मैराथन में स्वर्ण पदक जीते। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) कर रहा है, जिसमें 26 वर्षीय बाबू ने 42 किलोमीटर की फुल मैराथन वॉक स्पर्धा में 3 घंटे, नौ मिनट और 17 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता बाबू ने हरियाणा के सदीप कुमार को पीछे छोड़ा। ओलंपियन और राइटमंडल खेलों के पदक विजेता सदीप ने तीन घंटे, 11 मिनट और 18 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। बाबू ने कहा कि वह यहां पहला स्थान हासिल करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार थे। उन्होंने कहा, 'तैयारी अच्छी थी और मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूँ। मेरा लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। मैं आगे अपने प्रदर्शन में और सुधार करने की कोशिश करूँगा।' मंजू ने पैदल चाल कि अनुभवी एथलीट उत्तर प्रदेश की ओलंपियन प्रियंका गोस्वामी सहित कुछ मजबूत प्रतियोगियों को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया।



जसप्रीत ने पार्किंग में सीखा क्रिकेट, टैक्सी चलाई, टी20 वर्ल्ड कप में मिला खेलने का मौका



एजेसी ►► नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप के जरिए कई ऐसे खिलाड़ियों को दुनिया के सामने अपने खेल को दिखाने का मौका मिला, जिन्हें आमतौर पर बहुत कम मौके मिलते हैं।

ऐसा ही एक नाम रहा तेज गेंदबाज जसप्रीत सिंह का। वे इटली की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप में खेले। जसप्रीत सिंह भारत में पैदा हुए लेकिन पिता के इटली चले जाने

के बाद वे भी वहां गए और आगे चलकर खेलने लगे। जसप्रीत ने टी20 वर्ल्ड कप में दो मैच खेले और एक विकेट लिया। वे नेपाल और इंग्लैंड के सामने मुकाबले में उतरे। जसप्रीत ने पार्किंग में क्रिकेट सीखा और टैक्सी भी चलाई। जसप्रीत का संबंध पंजाब के फगवाड़ा जिले के धनद्वार गांव से हैं। जब वह 3 साल के थे तब उनके पिता तीरथ सिंह बेहतर जिंदगी की तलाश में विदेश चले गए।

टेप लगी टेनिस बॉल से खेला क्रिकेट

जसप्रीत टेप लगी टेनिस गेंद से ही खेल करते थे। इटली में फुटबॉल की धूम थी और वह भी इस खेल से जुड़ गए। वह स्कूल और गांव की फुटबॉल टीम की तरफ से खेले। एक दोस्त ने बाद के सालों में जब उनसे कहा कि पहले तो क्रिकेट खेलते थे तो अब फुटबॉल क्यों खेलते हो। तब जसप्रीत फिर से क्रिकेट की तरफ लौटे। उन्होंने क्रिकेट क्लब्स की तलाश की और अपनी सीम बॉलिंग से सबको प्रभावित किया। 2019 में उन्होंने इटली में टी20 इंटरनेशनल और लाइव ए डेब्यू किया।

इंग्लैंड में लिया ट्रक चालाने का लाइसेंस

जसप्रीत तीन साल पहले इंग्लैंड गए और वहां पर बर्मिंघम लीग में खेलने लगे। यहां खेलने से उन्हें काफी अनुभव मिला। लेकिन जसप्रीत का खेल तो सुघर रहा था लेकिन आर्थिक स्थिति खिगड रही थी। तब उन्होंने उबर ड्राइवर के तौर पर काम किया। साथ ही अगर क्रिकेट में मलिय बर्ही बने तो करियर बनाने के लिए ट्रक ड्राइविंग का लाइसेंस भी ले लिया। लेकिन खेल में सुधार की वजह से उन्हें इटली की टीम में जगह मिली और वे वर्ल्ड कप में खेले।



कार्यपरिषद की बैठक में निर्णय, कोर्ट में लंबित है मामला

हरिभूमि जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में वर्ष 2021 से लंबित असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के बैकलॉग पदों को भरने की प्रक्रिया को अंततः निरस्त कर दिया गया है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय की कार्य परिषद (ईसी) के समक्ष प्रस्तुत कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया। हालांकि यह निर्णय अंतिम रूप से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित याचिका के फैसले के अधीन रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 25 फरवरी को प्रस्तावित है। संभावना जताई जा रही है कि सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन इसी के निर्णय से न्यायालय को अवगत कराएगा। इसके बाद कोर्ट का रुख क्या रहता है, इस पर अन्वर्थियों और प्रशासन की नजरें टिकी हुई हैं।



दो माह से भुगतान लंबित, ट्रेनों की साफ सफाई बंद

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर स्थित कोचिंग डिपो में शनिवार 21 फरवरी की सुबह उस समय हंगामा मच गया, जब ट्रेनों की साफ-सफाई का कार्य करने वाले कर्मचारियों ने दो माह से वेतन नहीं मिलने के विरोध में कामबंद हड़ताल कर दी। बड़ी संख्या में कर्मचारी कोचिंग डिपो के मेन गेट पर बैठ गए और वेतन भुगतान की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें हर माह वेतन के लिए परेशान होना पड़ता है। माह समाप्त होने को आ जाता है, लेकिन उनके वेतन का कोई अंता-पंता नहीं रहता। इस बार स्थिति और गंभीर है, क्योंकि दो माह से भुगतान लंबित बताया जा रहा है।



बिल अटका होने का हवाला
पीड़ित कर्मचारियों ने बताया कि जब भी वे वेतन के संबंध में शिकायत करते हैं, तो कंपनी के सुपरवाइजर यह कहकर टाल देते हैं कि डीआरएम कार्यालय में बिल रुका हुआ है। बिल पास होने के बाद ही भुगतान किया जाएगा। महिला कर्मचारियों ने दुख जताते हुए कहा कि फरवरी माह समाप्त होने को है, लेकिन उन्हें जनवरी माह का वेतन भी प्राप्त नहीं हुआ है। आर्थिक तंगी के कारण परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।

इटारसी, जबलपुर, कटनी स्टेशनों पर रहेगा ठहराव वलसाड-दानापुर-वलसाड के मध्य चलेगी स्पेशल ट्रेन

जबलपुर। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों होली पर यात्रियों की सुविधा हेतु एवं उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 09025/09026 वलसाड-दानापुर-वलसाड साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतब्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 09025 वलसाड से दानापुर स्पेशल ट्रेन दिनांक 23 फरवरी से 30 मार्च 2026 तक प्रत्येक सोमवार को वलसाड स्टेशन से सुबह 08:40 बजे प्रस्थान कर इटारसी रात 20:00 बजे, जबलपुर 23:40 बजे,पहुँचकर अगले दिन कटनी 01:05 बजे, सतना 02:20 बजे पहुँचकर मार्ग से होते हुए दोपहर 12:00 बजे दानापुर स्टेशन पहुँचेगी। (06 सेवाएं) इसी प्रकार गाड़ी

संख्या 09026 दानापुर से वलसाड स्पेशल ट्रेन दिनांक 24 फरवरी से 31 मार्च 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को दानापुर स्टेशन से दोपहर 14:30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन सतना 01:30 बजे, कटनी 04:20 बजे, जबलपुर 06:00 बजे, इटारसी 10:00 बजे पहुँचकर मार्ग से होते हुए रात 21:30 बजे वलसाड स्टेशन पहुँचेगी। (06 सेवाएं)
कोच कम्पोजीशन- इस गाड़ी में 01 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 03 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 12 शयनयान श्रेणी, 02 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 20 कोच रहेंगे।

ट्रेन के हाल्ट- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में भेस्तान, नंदुरबार, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा स्टेशनों पर रुकेगी।

खाते से 1 लाख 60 हजार पार

जबलपुर। कैट थानांतर्गत एक व्यक्ति के खाते से अचानक 1 लाख 60 हजार रुपए पर किसी साइबर ठग ने हाथ साफ कर दिया। पुलिस के अनुसार इस मामले में पीड़ित गली नंबर 17 निवासी 39 वर्षीय आशीष कुमार कनौजिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई। आशीष ने पुलिस को बताया कि उसने नवंबर 2025 में इंडसैंड बैंक की तिलहरी शाखा में खाता खुलवाया था। वह अपने मोबाइल के माध्यम से खाते में राशि डालता और जमा करता था। 3 फरवरी 2026 की सुबह 11 बजे मोबाइल स्टेटमेंट चैक करने पर उस पता चला कि 31 जनवरी 2026 को उसके खाते से 1 लाख 60 हजार रुपए किसी अन्य खाते में ट्रांसफर हुए हैं। रुपए निकालने के संबंध में आटीपी भी नहीं आया। किसी आरोपी द्वारा छल पूर्वक धोखाधड़ी कर उसके खाता से 1 लाख 60 हजार रुपये निकाल लिये गये। जांच पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

कठिन समस्याओं के लिए भरोसेमंद टॉनिक पूरे माह रहें एक्टिव, फिट एवं स्वस्थ

24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



रादुविवि में 2021 की प्रोफेसर भर्ती प्रक्रिया अंततः निरस्त

आरक्षण नियमों को लेकर घिरा था विवाद

दरअसल, यह भर्ती प्रक्रिया शुरू से ही विवादों में रही। मुख्य आपति आरक्षण नियमों के पालन को लेकर उठी थी। वर्ष 2021 में जारी विज्ञापन में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पदों के लिए आरक्षित वर्ग, दिव्यांगजन और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के पदों की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई थी। इस संबंध में शिकायत दिव्यांगजन आयुक्त (डिसेंबिलिटी कमिश्नर) के समक्ष की गई थी। शिकायत के बाद विश्वविद्यालय को नोटिस जारी कर निर्देशित किया गया कि विज्ञापन में संशोधन कर आरक्षित वर्ग, दिव्यांगजन और ईडब्ल्यूएस श्रेणी के पदों का स्पष्ट उल्लेख किया जाए।

संशोधित विज्ञापन के बाद भी नहीं सुलझा मामला

18 अप्रैल 2023 को विश्वविद्यालय ने संशोधित विज्ञापन जारी किया, जिसमें आरक्षित वर्ग, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए पदों की जानकारी दी गई। हालांकि तब तक भर्ती प्रक्रिया लगभग 50 प्रतिशत पूरी हो चुकी थी। संशोधित प्रक्रिया और पूर्व प्रक्रिया के बीच तकनीकी व कानूनी विसंगतियों के कारण मामला और उलझ गया। यही कारण रहा कि भर्ती पर रोक लगती रही और अंततः कार्य परिषद ने पूरी प्रक्रिया निरस्त करने का निर्णय लिया।

बार-बार अटकती रही भर्तियां

आरडीयू में नियमित फैकल्टी की भर्ती वर्षों से अटक ही हुई है। वर्ष 2010 में निकाली गई भर्ती प्रक्रिया निरस्त कर दी गई थी। वर्ष 2014 की भर्ती भी पूरी नहीं हो सकी। अब 2021 में निकाली गई भर्ती भी 2025 तक तकनीकी और कानूनी अड़चनों में उलझी रही और अंततः निरस्त कर दी गई। लगातार भर्तियां निरस्त होने से विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी का असर अकादमिक गतिविधियों पर पड़ रहा है। अतिथि विद्वानों और अस्थायी व्यवस्थाओं के सहारे कई विभाग संचालित हो रहे हैं।

अन्वर्थियों में असमंजस

भर्ती प्रक्रिया में शामिल अन्वर्थियों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई उम्मीदवारों ने इंटरव्यू और दस्तावेज सत्यापन जैसी प्रक्रियाएं पूरी कर ली थीं। अब प्रक्रिया निरस्त होने से उनके भविष्य को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। फिलहाल सबकी निगाहें 25 फरवरी को हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। कोर्ट के निर्देश के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि भर्ती दोबारा शुरू होगी या नई प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

रेलवे के कोचिंग डिपो में वेतन न मिलने पर हड़ताल

डीआरएम ने किया पिपरिया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल के प्रबंधक (डीआरएम) कमल कुमार तलरेजा ने शनिवार को दोपहर पिपरिया स्टेशन का निरीक्षण किया। वे परख स्पेशल से पिपरिया पहुंचे। उनके साथ कई विभागीय आला अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने विकास एवं निर्माण कार्यों का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंडल रेल प्रबंधक ने पिपरिया रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों का विशेष रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, डीआरएम तलरेजा ने नवीन ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू न होने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने तीनों प्लेटफॉर्मों का पैदल मुआयना किया। इस दौरान वरिष्ठ मंडल विभाज्य प्रबंधक और सीनियर

नये ब्रिज का निर्माण शुरू नहीं होने पर दिखाई नाराजगी



डीईन (को।) सहित अन्य अधिकारी भी उनके साथ थे। उन्होंने मालगोदाम और नए फुट ओवर ब्रिज के पहुंच मार्ग का भी अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि जनवरी में पुराना ब्रिज टूटने के बावजूद अब तक निर्माण में प्रगति क्यों

अब तक बिजली कंपनियों ने नहीं दिया आपत्तियों का जवाब

जबलपुर। विद्युत कंपनियों द्वारा बिजली दरों में प्रस्तावित वृद्धि पर सुनवाई 23 फरवरी से 26 फरवरी तक की जानी है। यानी एक दिन बाद इस पर जनसुनवाई होगी, वो भी भोपाल में। आपत्तिकर्ता वीडियो कार्र्सिंग के जरिये भी अपने तर्क रख सकेंगे। लेकिन खास बात यह है की जिन उपभोक्ताओं ने एक माह पूर्व 25 फरवरी तक जो आपत्तियां प्रस्तुत की थीं, उनके जवाब अभी तक नहीं मिले हैं। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने विद्युत नियामक आयोग को ईमेल भेजकर इन हालातों से अवगत कराया है।

आपत्तियां विद्युत कंपनी ने की दरकिनार

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच के अध्यक्ष डॉ पीजी नाजपांडे ने आरोप लगाया कि विद्युत कंपनियों ने प्रो स्माट मीटर का वादा तोड़कर उपभोक्ताओं से उसका खर्च वसूलना प्रस्तावित किया है। इतना ही नहीं विद्युत दरों में 10।19 फीसदी की भारी वृद्धि प्रस्तावित की है। उपभोक्ताओं की चिंता और आपत्तियों का निवारण नहीं किया गया। यहां तक आपत्तियों के जवाब भी नहीं दिये गये। लिहाजा यह बात स्पष्ट हो गई है कि

सदर बाजार में कल से 28 फरवरी तक एक टाईम होगी पानी सप्लाई

जबलपुर। सदर बाजार और उससे लगे सिविल एरिया के रहवासियों को 23 से 28 फरवरी तक पेयजल आपूर्ति में आंशिक बदलाव का सामना करना पड़ेगा। इस अवधि में केवल सुबह की पाली में ही पानी की सप्लाई होगी, जबकि शाम की पाली में आपूर्ति पूरी तरह बाधित रहेगी। दरअसल, सदर बाजार क्षेत्र में टैगोर उद्यान स्थित पानी की टंकी से पेयजल आपूर्ति की जाती है। टंकी की नियमित साफ-सफाई और रखरखाव कार्य के चलते यह निर्णय लिया गया है। कैट बोर्ड के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी पलाश श्रीवास्तव ने बताया कि जल टंकियों की समय-समय पर सफाई कराना आवश्यक होता है, ताकि नागरिकों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजीव कुमार के निर्देश पर 23 फरवरी से 28 फरवरी तक टंकी की सफाई और अन्य मेंटेनेंस कार्य किए जाएंगे। इसी कारण सुबह एक पाली में ही पानी की सप्लाई की जाएगी।

विद्युत दरों में वृद्धि पर नियामक आयोग की जनसुनवाई कल से



रख सकें। जिन उपभोक्ताओं ने पहले ही अपनी लिखित आपत्तियां दर्ज करा दी हैं, वे दो तरीकों से शामिल हो सकते हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं या भोपाल स्थित विद्युत नियामक आयोग के कोर्ट कक्ष में स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते हैं।

दाम बढ़ने के बजाय 15% कम हो सकते हैं

बिजली कंपनियों के टैरिफ बढ़ाने के तर्क को विशेषज्ञों ने चुनौती दी है। विद्युत मामलों के विशेषज्ञ एडवोकेट राजेंद्र अग्रवाल ने जानकारी दी है कि वर्तमान वित्तीय स्थिति को देखते हुए प्रदेश में बिजली के दाम बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके विपरीत, यदि गणना सही तरीके से की जाए तो टैरिफ में 15 प्रतिशत तक की कमी की जा सकती है। एडवोकेट अग्रवाल ने बताया कि वे दस्तावेजी प्रमाणों के साथ आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे। वे 23 फरवरी की निर्धारित सत्यापन याचिका (2024-25) और 24 फरवरी को पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की जनसुनवाई में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर उपभोक्ताओं के हक में अपनी दलीलें पेश करेंगे।

आईटीआई परिसर से बिना अनुमति पेड़ काट कर ले गये

जबलपुर। मादोताल थानांतर्गत आईटीआई परिसर से पंजीकृत वैंडर ने बिना अनुमति के पेड़ काटकर चोरी कर लिए। इस मामले में आईटीआई के प्राचार्य संगम कॉलोनी उखरी निवासी 43 वर्षीय अप्रिंत शुक्ला ने लिखित शिकायत दी। शिकायत में श्री शुक्ला ने बताया कि आईटीआई के सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण एवं अतिक्रमण मुहिम चलाई जाने के उपरांत 3 दिसंबर 2025 को कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त के मौखिक आदेश पर आईटीआई में पदस्थ प्रशिक्षण अधिकारी सौरभ पोद्दार को पेड़ों की छंटाई का दायित्व सौंपा गया था। जिनके द्वारा नगर निगम के पंजीकृत वेड्डर को यह कार्य सौंपा गया। कुछ दिन पूर्व श्री शुक्ला ने देखा कि परिसर में लगे पुराने लगभग 8-10 हरे-भरे कदम, ईमली, बेर, शीशम के वृक्ष जमीन से कटे हुए थे। प्राचार्य द्वारा पूछे जाने पर बताया गया कि पंजीकृत वैंडर मोहम्मद अद्वानन द्वारा वृक्ष काटे गए जिसके द्वारा पूर्व में भी कटाई-छंटाई का कार्य किया गया था। शिकायत में कहा गया कि आरोपी मोहम्मद अद्वानन द्वारा संस्था की अनुमति के बिना 6 फरवरी से 9 फरवरी के बीच हरे भरे वृक्षों को काट कर चुराया गया। शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 305(ह) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।